सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 52 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने दी बड़ी खुशखबरी, रेपो रेट घटाया, अब लोन सस्ते होंगे

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की अपनी पांचवीं मौद्रिक नीति बैठक (एमपीसी) के नतीजों का एलान कर दिया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को लोगों को बड़ी खुशखबरी दी है। आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती कर बैंकों से लोक्स लेने वालों को राहत दी है। रेपो रेट में किए गए बदलाव का असर लंबी अवधि की ब्याज दरों पर भी पड़ेगा। आसान शब्दों में कहें तो, आरबीआई द्वारा सस्ता किए गए कर्ज का फायदा बैंक अब होम लोन या बिजनेस लोन की ब्याज दरें घटाकर ग्राहकों को दे सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय वर्ष 2025-26 की पांचवीं मौद्रिक नीति बैठक संपन्न

यदि किसी ने 50 लाख रुपए का लोन 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर से 20 साल के लिए लिया है और आरबीआई यदि 0.25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा करती है तो उसकी ईएमआई कम हो जाएगी, जैसे कि पुराने ब्याज दर 8.5 प्रतिशत पर 43,391 रुपए की ईएमआई देनी पड़ती है, और ब्याज दरों पर कटौती के बाद नई ब्याज 8.25 प्रतिशत पर 42,603 रुपए हो जाएगी, जिसमें महीने में 788 रुपये की बचत और साल भर में 9,456 रुपए की बचत होगी।

कार लोन पर ऐसे घट सकती है आपकी ईएमआई

यदि आप ने 5 लाख रुपए का कार लोन 12 प्रतिशत की ब्याज दर पर लिया है तो 11,282 रुपए पुरानी ईएमआई पर देने पड़ रहे हैं, यदि कटौती हुई तो कार लोन की नई ईएमआई 11,149 रुपए होगी। जिसमें 133 रुपए महीने के और साल भर में 1,596 रुपए की बचत होगी। इस प्रकार कार लोन पर ग्राहकों को काफी राहत मिल सकती है।

जीडीपी ग्रोथ और कम होती महंगाई दर एक आदर्श स्थिति

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि वित्त वर्ष की पहली छमाही में 8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ और कम होती महंगाई दर एक आदर्श स्थिति है। इसे उन्होंने 'गोल्डीलॉक्स' काल कहा है। भारत तेज विकास की पटरी पर है और महंगाई भी काबू में है, जो भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत है। इसे देखते हुए आरबीआई ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ा दिया है। पूर्व में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान था जो बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है।

अक्टूबर के बाद से महंगाई में तेजी से गिरावट आई

केंद्रीय बैंक का मानना है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में जारी तेजी से विकास दर अनुमान से बेहतर रहेगी। आम आदमी के लिए सबसे अच्छी खबर महंगाई के मोर्चे पर है। गवर्नर ने कहा कि अक्टूबर के बाद से महंगाई में तेजी से गिरावट आई है। नए अनुमानों में आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई का अनुमान 2.6 प्रतिशत से घटाकर अब सीधा 2 प्रतिशत कर दिया है। यानि आने वाले दिनों में आपकी जेब पर बोझ और कम हो सकता है।

खास-खबर

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.25 करोड़ की ठगी, पैसा डबल करने का लालच देकर ठगी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। शेयर ट्रेडिंग के निवेश कर पैसा डबल करने के नाम पर सवा करोड़ की ठगी हुई है। इस मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को ओड़िशा से गिरफ्तार किया है। वहीं, पहले से तीन लोगों की गिरफ्तार हो चुकी है। मामला जिले के सिटी कोतवाली थाना का है। शेयर टेड्रिंग मामला में निवेश कर ज्यादा मुनाफा दिलाने के नाम पर युवा व्यापारी को फर्जी वेबसाईट का लिंक भेजकर उससे 1,21,53,590 रुपए की ठगी हुई है। जानकारी के मुताबिक़, साइबर ठगों ने व्यापारी को शेयर मार्केट में निवेश कर डबल मुनाफे का लालच दिया। इनवेस्टमेंट के लोए व्हाटसअप पर फर्जी वेबसाईट लिंक भेजकर उस पलेटफार्म पर फर्जी तरीके से शुरूवात में 15 हजार रूपये प्रार्थी के एकाउंट में भेजा। 15 हजार रुपए पाकर पीड़ित ने उनपर भरोसा कर लिया। जिसका फायदा उठाकर ठगों ने बड़े निवेश में ज्यादा फायदा देने की बात कहकर कुल 1,21,53,590 रुपएउससे विभिन्न खातों में जमा करा लिए। ठगों ने कमीशन और निवेश के नाम पर लगातार पैसे माँगे। जब पीड़ित ने मुनाफे के पैसे मांगे तो उन्होंने बहाना बनाकर मना कर दिया।

ट्रैक्टर में पैरा डाल रहे युवक को कार ने कुचला, मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। जिसमे एक युवक की मौत हो गयी है। अंबिकापुर-वाराणसी स्टेट हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने एक युवक को टक्कर मार दी। इतना ही नहीं हादसे के बाद शव को घसीटता भी ले गया। मामला भटगांव थाना क्षेत्र का है। हादसा अंबिकापुर-वाराणसी स्टेट हाईवे में जरही पेट्रोल पंप के पास हुआ है। गुरुवार 4 दिसंबर की रात करीब 9 बजे हुआ है। रात 9 बजे एक तेज रफ्तार कार ने एक युवक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी युवक की मौके पर मौत हो गई। मृतक की पहचान कोरंधा के रहने वाले हृदय लाल राजवाड़े (25 वर्ष) के रूप में हुई है। युवक हृदय लाल राजवाड़े ट्रैक्टर ट्रॉली में पैरा लोड कर कोरंधा ले जा रहा था। इसी बीच पेट्रोल पंप के पास उसकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गयी। ट्रैक्टर ट्रॉली को वो उठाकर दुबारा उसमें पैरा डाल रहा था। इसी बीच महिंद्रा आयी और पैरा पर गाड़ी चढ़ा दिया। युवक कुछ समझ पाता वो पैरे के साथ कार के पहिये में फंस गया और 25 मीटर तक घसीटते चला गया।

झारखंड शराब घोटाला, टुटेजा-त्रिपाठी व अनवर ढेबर पर ECIR दर्ज

38 करोड़ के स्कैम केस में ED करेगी पूछताछ, बयान लेने छत्तीसगढ़ आएंगे अद्वत्तसर, कोर्ट से मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। झारखंड में 38 करोड़ रुपए के शराब घोटाले के मामले में ED ने ACB के दर्ज FIR के आधार पर ECIR (एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) दर्ज की है। ECIR दर्ज करने के तुरंत बाद श्रेष्ठ ने रांची में स्पेशल PMLA कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने आरोपियों से जेल में पूछताछ की इजाजत दे दी है। झारखंड ED की टीम जल्द ही छत्तीसगढ़ आएगी, ताकि अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी और अन्य आरोपियों के बयान दर्ज कर सके। इन्हें छत्तीसगढ़ शराब घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है। बताया जा रहा है कि पूछताछ के बाद कुछ नए खुलासे हो सकते हैं।

बता दें रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह ने झारखंड ACB से शिकायत की थी। विकास सिंह ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ के आबकारी से जुड़े अधिकारियों और व्यवसायियों ने मिलकर शराब घोटाले के जरिए झारखंड सरकार को अरबों रुपए का नुकसान पहुंचाया है। विकास सिंह की शिकायत पर झारखंड ACB ने स्कैम को लेकर प्रारंभिक जांच शुरू की थी। जांच के दौरान ACB ने पूर्व आबकारी सचिव विनय चौबे और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह से कई बार पूछताछ की। इस दौरान टुटेजा, अनवर और अरुण पति का नाम भी सामने आया।

साक्ष्यों के आधार पर हुई नियमित एफआईआर

झारखंड ACBने पूछताछ में अफसरों से मिले साक्ष्यों के आधार पर सरकार की मंजूरी के बाद नियमित एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में विनय चौबे, गजेंद्र सिंह, विनय सिंह समेत 9 लोगों को आरोपी बनाया। इसके बाद ACB ने विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। झारखंड ACB ने अब तक इस मामले में 22 लोगों को आरोपी बनाया है। दूसरी ओर ईडी अब समानांतर रूप से मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की गहराई से जांच करेगी। माना जा रहा है कि ईडी की पूछताछ से कई बड़े वित्तीय लेनदेन और नए कनेक्शन सामने आ सकते हैं, जिससे घोटाले की परतें और खुलेंगी।

कोरबा में 62 साल की बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से बेहद ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक दरिंदे ने बुजुर्ग महिला तक को नहीं छोड़ा। उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। एक युवक ने बुजर्ग महिला से पहले मारपीट की और उसके साथ दुष्कर्म किया। मामला उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली का है।

आरोपी की पहचान बरपाली गांव के रहने वाले यशवंत मिरी के रूप में हुई है। बुजुर्ग महिला सुबह अपने खेत गयी हुई थी। खेत में उस वक्त कोई नहीं था। वह पूरी तरह सुनसान था। इसी बीच आरोपी यशवंत मिरी उसके पास आया। और सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए उसके साथ मारपीट की। मारपीट करते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला चीखने चिल्लाने लागी। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। ग्रामीणों ने बरपाली बस स्टैंड से आरोपी को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाने में उसके खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

विधानसभा सत्र 14 दिसंबर से शनिवार-रविवार की छुट्टी रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को देखते हुए सरकारी कामकाज की रफ्तार बढ़ा दी गई है। विधानसभा प्रश्नों की समयसीमा पूरी करने के लिए इस बार शनिवार और रविवार की छुट्टी भी रद्द कर दी गई है। सभी संबंधित विभागों को आदेश दिया गया है कि सप्ताहांत में भी कार्यालय खुले रखकर लंबित जवाब तैयार किए जाएं।

लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट कहा है कि विधानसभा में भेजे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर तय समय से पहले तैयार करके प्रस्तुत किए जाएं। इसके लिए शनिवार और रविवार को भी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।

14 से 17 दिसंबर तक चलेगा सत्र

इस बार का शीतकालीन सत्र नई विधानसभा भवन में आयोजित किया जाएगा। 14 दिसंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक चलने वाले इस चार दिवसीय सत्र में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। सत्र को लेकर विधायकों की तैयारी भी पूरी है। अब तक कुल 628 प्रश्न विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हुए हैं। इनमें से 604 प्रश्न ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से जमा किए गए जबकि 24 प्रश्न ऑफलाइन प्राप्त हुए। कानून-व्यवस्था, धान खरीदी में आ रही समस्याएं, जर्जर सड़कें, राशन वितरण व्यवस्था और प्रशासनिक अनियमितताओं जैसे मुद्दे सवालों की सूची में प्रमुख रूप से शामिल हैं।

प्रदेश में कड़ाके की ठंड : सरगुजा में पारा 6.9 डिग्री, रायपुर में तापमान 13 डिग्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से ठंड बढ़ गई है। सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अंबिकापुर में रात का तापमान गिरकर 6.9एष्ट हो गया है। जशपुर और पेंड्रा इलाकों में लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जला रहे हैं। इस बीच रायपुर में भी पिछले 2 दिनों में तापमान लगभग 3 डिग्री गिर गया है। पिछले 24 घंटों में रायपुर में न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अगले 48 घंटों में पूरे राज्य में औसत तापमान में 1-3 डिग्री और गिरावट आने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों में, राज्य में सबसे ज़्यादा तापमान दुर्ग में 30.2 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 6.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने बताया कि 5 दिसंबर को भी तापमान में किसी बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है और मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि सुबह के समय कई हिस्सों में हल्की धुंध छा सकती है, जो दृश्यता को प्रभावित कर सकती है। विभाग की ओर से किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

रायपुर सेंट्रल जेल में कांग्रेस नेता की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद कांग्रेस नेता और सर्व आदिवासी समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष जीवन ठाकुर की मौत हो गई। जीवन ठाकुर को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना रायपुर सेंट्रल जेल की है। कांग्रेस नेता, सर्व आदिवासी समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष और जनपद पंचायत चारामा के पूर्व अध्यक्ष जीवन ठाकुर (49) की रायपुर सेंट्रल जेल परिसर में इलाज के दौरान मौत हो गई। जेल में बंद जीवन ठाकुर की तबियत बिगड़ गयी थी। जिसके बाद 4 दिसंबर की सुबह 4:20 बजे उसे डॉ। भीमराव अंबेडकर अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया था। लेकिन इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गयी।

इस मामले में थे जेल में बंद

जानकारी के मुताबिक, जीवन ठाकुर पर मयाना गांव में फर्जी वन पट्टा बनाने का आरोप था। इस मामले में उन्हें 12 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उन्हें कांकेर जिला जेल में रखा गया था। जहाँ से 2 दिसंबर 2025 को रायपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया था। वहीँ, उसके दो दिन बाद 4 दिसंबर को जीवन ठाकुर की तबियत बिगड़ी और मौत हो गयी।

धान के अवैध भंडारण पर बड़ी कार्रवाई, महासमुंद के राइस मिल से 9 टन से ज्यादा धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद जिले में धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में गुरुवार को श्याम राइस मिल झलप से 9,562 क्विंटल धान तथा ग्राम चिराकूटा से 250 कट्टा धान जब्त किया गया। जब्ती की यह कार्रवाई जिले में निरंतर जारी निगरानी एवं भौतिक सत्यापन अभियान के अंतर्गत की गई है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा श्याम राइस मिल, झलप का भौतिक सत्यापन किया गया। स्टॉक गणना के दौरान मिल में धान का शॉर्टेज पाया गया। नियमों, उल्लंघन पाए जाने पर कस्टम मिलिंग धान उपार्जन नियम 2016 तथा मंडी अधिनियम के तहत 9,562 क्विंटल धान के जब्ती की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार सरायपाली विकासखंड में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने ग्राम चिराकूटा में धान के अवैध भंडारण की सूचना पर मौके पर पहुंचकर 250 कट्टा धान जब्त किया।

कलेक्टर का कहना है कि धान के अवैध परिवहन, भंडारण के मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निगरानी दल सभी जांच चौकियों, राइस मिलों एवं उपार्जन केंद्रों पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए जांच-पड़ताल का यह सघन अभियान निरंतर जारी रहेगा।

झूठ को बार-बार बोलो तो वह सच हो जाता है

वर्षों पुरानी कहावत है कि यदि झूठ को बार-बार दोहराया जाए तो वह सच लगने लगता है। बल्कि मनोवैज्ञानिक तो यहां तक कहते हैं कि बार-बार बोला गया झूठ खुद बोलने वाले को भी सच लगने लगता है। कुछ ऐसा ही चल रहा है इन दिनों इतिहास की क्लास में। यह क्लास किसी स्कूल, कालेज या यूनिवर्सिटी में नहीं लग रही बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लग रही है। लाखों विद्यार्थी यहां से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। इनमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्होंने स्कूल में इतिहास को फालतू का विषय समझा था। जो केवल फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और बायो का ट्यूशन लेते थे। इनमें साइंस का लॉजिक तो जबरदस्त है पर बाकी बातों में लॉजिक अप्लाई करना इन्हें आता नहीं। दु:खद यह है कि हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के लिए अल्पसंख्यकों के प्रति नाराजगी या सीधे कहें तो नफ़रत का सहारा लेना पड़ रहा है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार मुद्दा है बाबरी बनाम सोमनाथ। नेहरू ने तत्कालीन राष्ट्रपति लाल बहादुर शास्त्री को सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में नहीं जाने की सलाह दी थी। उनका तर्क था कि इससे एक धर्मनिरपेक्ष सरकार की छवि खराब होती थी। मुद्दा यह है कि इसी नेहरू ने कथित रूप से बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए सरकारी खर्च की बात कही थी। हालांकि इसका कोई दस्तेवाजी सबूत नहीं है। सरदार पटेल की पुत्री की पुस्तक के हवाले से यह बात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही है। पहली बात तो यह कि बाबरी मस्जिद उस समय अस्तित्व में थी। उसका निर्माण नहीं किया जा सकता था। बाबरी मस्जिद या ढांचा कोई ऐतिहासिक धरोहर स्थल भी नहीं थी और न ही संरक्षित थी। इसलिए इस तरह का कोई प्रस्ताव नेहरू ने नहीं दिया हो सकता था। नेहरू एक धर्मनिरपेक्ष भारत का नेतृत्व कर रहे थे। उनका स्पष्ट मानना था कि देश के पास अपने विकास कार्यक्रमों के लिए ही पर्याप्त पैसा नहीं था। ऐसे में किसी धर्म के तुष्टिकरण के लिए धन उपलब्ध कराने का सवाल ही नहीं पैदा होता था। नेहरू ने देश के लिए क्या-क्या किया, उनकी सोच और दृष्टि के अनेक दस्तावेजी प्रमाण मिल जाएंगे। एक बात और बता दें कि भारत में अकेले मुस्लिम या ईसाई ही धार्मिक अल्पसंख्यक नहीं हैं। मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध तथा पारसी भी अल्पसंख्यकों के दायरे में आते हैं। राष्ट्रवादियों का कहना है कि मुस्लिम और ईसाई धर्म का प्रादुर्भाव विदेशी धरती पर हुआ। ऐसे तो पारसी धर्म भी प्राचीन फ़ारस (ईरान) से आता है। दरअसल, मुस्लिमों के खिलाफगुस्सा देश के विभाजन से जुड़ा हुआ है। बाबर 1519 में भारत आया था। जहांगीर 1605 में शासक बना। औरंगजेब ने 1658 में सत्ता संभाली। 1858 से 1947 तक ब्रिटिश हुकूमत रही। फिर मुगलों की चर्चा आज क्यों? दरअसल, बहुसंख्यक ध्रुवीकरण के लिए इनके भूत को बार-बार जिन्दा किया जाता है।

संपादकीय

सिमटते जलस्रोत व जहरीला होता पेयजल

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू-गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता। इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है।

> निस्संदेह, इस दिशा में तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है। समय की मांग है कि तत्काल प्रभाव से भूजल के अंधाधुंध दोहन पर सख्त अंकुश लगाया जाए। इसके लिये बेहद जरूरी है कि कृषि क्षेत्र पर ध्यान देकर, कम पानी का उपयोग करने वाली फसलों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। राज्य के हर शहर व गांव में भूजल गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध करायी जाए।

निश्चित रूप से भू-गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज-समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है। ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है।

दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है। हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन-स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है। देश में अकसर उस ट्रेन का जिक्र किया जाता रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में पंजाब के लोग कैंसर के उपचार के लिये राजस्थान के विभिन्न अस्पतालों में जाया करते हैं। जिसे अकसर कैंसर ट्रेन के नाम से पुकारा भी जाता रहा है। निस्संदेह, राज्य के कुओं, बोरवेल या हैंडपंप पर निर्भर लाखों पंजाबियों के लिये, इसका मतलब है कि उनके लिये रोजाना पीने का पानी ही स्वास्थ्य खतरा बन सकता है। जिसके उपयोग से उनके गुर्दे की क्षति, कैंसरकारी घातक प्रभाव और प्रजनन व शारीरिक विकास संबंधी नुकसान हो सकता है। निस्संदेह, इस दिशा में तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है। समय की मांग है कि तत्काल प्रभाव से भूजल के अंधाधुंध दोहन पर सख्त अंकुश लगाया जाए। इसके लिये बेहद जरूरी है कि कृषि क्षेत्र पर ध्यान देकर, कम पानी का उपयोग करने वाली फसलों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। राज्य के हर शहर व गांव में भूजल गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध करायी जाए।

प्रदूषित पेयजल के प्रभावी उपचार के साथ ही सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही औद्योगिक व कृषि प्रदूषकों पर नियंत्रण के लिये पारदर्शी व सख्त कानून व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वच्छ पेयजल अनंत मात्रा में उपलब्ध नहीं है। हम इसे असीमित संसाधन के बजाय एक नाजुक जीवन रेखा के रूप में देखें। यदि आज हमने समय रहते हुए पेयजल को सुरक्षित व संरक्षित नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां पेयजल संकट से जूझने को अभिशप्त होंगी। इतना ही नहीं, उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट भी विरासत के रूप में मिलेगा। जिसके लिये वे हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

इसके फायदों को देखते हुए वह खुद ही लोकप्रिय हो जाएगा। हां, फायदों की जानकारी लोगों को जरूर दी जानी चाहिए थी। इसे लेकर गोपनीयता और संभावित निगरानी को लेकर चिंताएं पैदा हुई, जिनके पीछे भले ही कोई आधार नहीं रहा होगा, पर वे वाजिब थीं। संचार मंत्रालय ने अब बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए प्री-इंस्टॉलेशन को अनिवार्य नहीं बनाने का निर्णय लिया है।'

भरोसा जीतकर हो सुरक्षा उपायों पर अमल

प्रमोद जोशी

ऐसा नहीं है कि सरकारी एप पर जनता का भरोसा नहीं होता। कोविड के दौरान 'आरोग्य सेतु' का देश की जनता ने भरपूर इस्तेमाल किया। वह डिजिटल स्वास्थ्य एप था, जो अब आरोग्य सेतु 2.0 के रूप में और बेहतर हो चुका है। दूरसंचार विभाग ने स्मार्टफोन कंपनियों को 'संचार साथी' एप्लीकेशन को अनिवार्य रूप से प्री-लोड करने के अपना आदेश वापस लेकर अच्छा काम किया है। इसे लागू करने का बेहतर तरीका यही था कि लोगों पर छोड़ दिया जाता कि वे चाहें, तो इसे डाउनलोड कर लें और न चाहें तो न करें।

मतलब यह भी नहीं है कि सरकार साइबर अपराधों को रोकने की अपनी जिम्मेदारी से हाथ धो ले। वस्तुतः यह साख का सवाल है। पिछले सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की देशभर में जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। वस्तुतः यह मामला जागरूकता के अभाव की ओर इशारा करता है, साथ ही जनता और सरकार के बीच की दूरी को भी बताता है। कोई व्यक्ति खुद को पुलिस वाला बताकर जब फोन करता है तो सामने वाला डरता है। उसे लगता है कि किसी गलत मामले में उसे फंसाया जा सकता है। लोगों के मन में यह डर बहुत गहरा बैठा हुआ है। ठगों ने उसका ही दोहन किया है, अन्यथा जब आपने कोई गलती की नहीं है, तो डरने की जरूरत ही क्या है? इसके शिकार साधारण लोग ही नहीं, पढ़े-लिखे लोग भी हुए हैं।

ऐसे अपराधों को लेकर मीडिया में जितनी खबरें आई हैं, उतनी अपराधियों पर कार्रवाई की खबरें नहीं आई हैं। पिछले कई साल से यह काम चल रहा है। बड़े स्तर पर संगठित गिरोह इसका संचालन कर रहे हैं। इसका संगठित कारोबार अंतरराष्ट्रीय शक्ल ले चुका है। इसमें धोखाधड़ी वाले कॉल के माध्यम से लोगों को डराकर उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। अपराधी सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करते हैं और पीड़ितों को झूठे कानूनी आरोपों में फंसाने की धमकी देते हैं। इन घोटालों के साथ संगठित अपराध सिंडिकेट जुड़े हैं। इनमें वित्तीय संस्थानों का दुरुपयोग किया जाता है, जिससे पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

ऐसा नहीं है कि सरकारी एप पर जनता का भरोसा नहीं होता। कोविड के दौरान 'आरोग्य सेतु' का देश की जनता ने भरपूर इस्तेमाल किया। वह डिजिटल स्वास्थ्य एप था, जो अब आरोग्य सेतु 2.0 के रूप में और बेहतर हो चुका है। वह व्यापक वन हेल्थ एप है, जिसे स्वास्थ्य, कल्याण, चिकित्सा रिकॉर्ड, बीमा और परिवार की देखभाल सभी को एक ही स्थान पर प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसी तरह डिजिटल लॉकर जैसे उपयोगी ऐप भी हैं।

बहरहाल, दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को जारी प्रारंभिक आदेश में स्मार्टफोन निर्माताओं और आयातकों को नए फोन और पुराने फोनों में भी सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से संचार साथी एप्लिकेशन पहले से इंस्टॉल करने का निर्देश दिया था। इसमें कहा गया था कि एप के कार्यों को अक्षम या प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। इसे साइबर सुरक्षा एप्लिकेशन बताया गया, जो उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी वाले कॉल, संदेशों और चोरी हुए मोबाइल फोन की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है। बेशक इन सुविधाओं की नागरिकों को जरूरत है, पर उन्हें लगता है कि इनकी आड़ में सरकार गुपचुप उनकी निगरानी करने जा रही है। शायद अपने विरोधियों को प्रताड़ित करने का तरीका उसने खोजा है।

आदेश वापस लेने के पहले दिन में, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार ज़रूरत पड़ने पर आदेश में बदलाव के लिए तैयार है। सिंधिया ने संसद में कहा, '...अगर हमें प्राप्त फीडबैक के आधार पर आदेश में बदलाव करना पड़ा, तो हम इसके लिए तैयार हैं।' निगरानी संबंधी चिंताओं पर उन्होंने कहा, 'न तो जासूसी संभव है और न ही की जाएगी।' एक दिन पहले सिंधिया ने स्पष्ट किया था कि एप वैकल्पिक है और उपयोगकर्ता इसे हटा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रत्येक नागरिक की डिजिटल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

स्मार्टफोन निर्माताओं एपल और गूगल को, जिनके पास क्रमशः दो सबसे लोकप्रिय ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस और एंड्रॉइड हैं, इस आदेश को लेकर भी आपत्तियाथीं। इन कंपनियों का दृष्टिकोण है कि दुनिया में कहीं भी अपने उपकरणों में सरकारी एप्स प्री-लोड करने का इन फ़ोन निर्माताओं का कोई इतिहास या मिसाल नहीं है। इसे लागू करने से परिचालन संबंधी चुनौतियां अलग से पैदा होंगी, क्योंकि इसके लिए उन्हें आईओएस और एंड्रॉयड में विशेष रूप से भारत के अनुरूप बदलाव करने पड़ सकते हैं। सिविल सोसायटी के कार्यकर्ताओं ने एप को अनिवार्य बनाने से लोगों की निजता पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर चिंता जताई थी, क्योंकि इसे प्री-लोड करने से पसंद और सहमति के सिद्धांत विफल हो जाते हैं, और भविष्य में 'कार्यात्मक विस्तार' की संभावना बनी रहती है। 'कार्यात्मक विस्तार' का अर्थ है किसी सिस्टम का उसके मूल उद्देश्य से परे हटकर धीरे-धीरे विस्तार। साइबर अपराधों की बढ़ती जटिलता, 'डिजिटल गिरफ्तारियों' से लेकर गुमनाम, बड़े पैमाने पर सीमा पार घोटालों तक, उनसे निपटना जरूरी और मुश्किल दोनों बना दिया है। साइबर अपराधियों ने एक सुरक्षा अंतराल का फायदा उठाया है, जिसमें इंस्टेंट मैसेजिंग एप्स पर उपयोगकर्ता के सिम कार्ड हटा दिए जाने के बाद भी सक्रिय रहते हैं, और इस गुमनामी का उपयोग वे धोखाधड़ी करने के लिए करते हैं। नकली या छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई नंबरों के बड़े पैमाने पर उपयोग ने भी अपराधियों को ट्रैक करना कानून प्रवर्तन के लिए लगभग असंभव बना दिया है। इसलिए यह जरूरी भी हो गया है कि सरकार इन सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर कमजोरियों को दूर करने के लिए बेहतर उपकरणों की तलाश करे। 28 नवंबर और 1 दिसंबर को दूरसंचार विभाग के निर्देशों से यह बात भी झलकती है। पहला निर्देश 'सिम बाइंडिंग' को अनिवार्य करता है दूसरे निर्देश में, स्मार्टफोन निर्माताओं को मार्च, 2026 तक सभी नए उपकरणों में डिवाइस की प्रामाणिकता सत्यापित करने के लिए संचार साथी एप पहले से इंस्टॉल करना होगा। पहला निर्देश एक सुरक्षा पैच है जो वॉट्सएप/इंटरनेट मैसेजिंग उपयोगकर्ताओं को असुविधा पहुंचा सकता है, जबकि दूसरे निर्देश के पीछे एक डर है कि 'अच्छे इरादों से किया गया काम भी गलत रास्ते पर ले जा सकता है।'

दूसरी तरफइस बात की संभावना बनी रहती है कि इस एप का सरकारी निगरानी के लिए दुरुपयोग और उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ समय पहले आरोप लगाया गया था कि भारत में राजनीतिक विपक्ष, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। हालांकि, उस मामले में साबित कुछ नहीं हुआ, पर उस परिघटना ने भय पैदा जरूर कर दिया है।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

दूरस्थ क्षेत्रों में पुल निर्माण से विकास की रफ्तार हुई दुगनी

बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों में बन रहे पुल विकास और समृद्धि के भी सेतु बन रहे हैं। नक्सल आतंक से प्रभावित रहे दूरस्थ क्षेत्रों में पुलों के निर्माण से विकास कार्य दुगुनी गति से धरातल पर उतर रहे हैं। आकांक्षी जिला कांकेर में पिछले तीन वर्षों में सेतुओं का तेजी से पूर्ण होता निर्माण सुदूरांचलों के रहवासियों के विकास और समृद्धि का भी सेतु बन रहा है। इससे सुदूरवर्ती माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को अच्छी गति मिल रही है।

कांकेर जिले में पिछले तीन वर्षों में 101 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से 20 सेतु निर्माण के कार्य पूर्ण हुए हैं। इससे लगभग 160 गांवों के 80 हजार लोगों का बारहमासी सड़क संपर्क विकासखंड, तहसील एवं जिला मुख्यालय से हो गया है। इन पुल-पुलियों के निर्माण से क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सामाजिक-सांस्कृतिक संपर्क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शासन की योजनाओं की पहुंच आसान हो गई है। इससे नक्सल गतिविधियों के उन्मूलन के साथ ही क्षेत्र में विकास की गति तेज हुई है।

कुछ इलाकों के नक्सल प्रभावित होने के बावजूद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मिचगांव से कोड़ेकुर्से मार्ग के कि.मी. 16/2 पर कोटरी नदी पर नौ करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से एवं आतुरबेड़ा-भैंसगांव-निब्रा मार्ग के कि.मी. 4/2 मेंढ़की नदी पर नौ करोड़ 57 लाख रुपए की लागत से महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय पुलों के काम पूर्ण किए गए हैं। अभी जिले में कुल 60 करोड़ रुपए की लागत से 12 वृहद पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही कुल 30 करोड़ रुपए लागत के पांच वृहद सेतु कार्य निविदा स्तर पर है, जो कि शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएंगे। इससे 136 गांवों की 68 हजार से अधिक आबादी लाभान्वित होगी। कांकेर के दूरस्थ छोटेबेठिया-मरबेड़ा-सितरम मार्ग पर कोटरी नदी पर 19 करोड़ रुपए तथा कोयलीबेड़ा-दुता मार्ग पर मेंढ़की नदी पर दस करोड़ 28 लाख रुपए की लागत से वृहद पुल निर्माणाधीन हैं। इनके साथ ही सोनपुर-मरोड़ा मार्ग (बेचाघाट) पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य की स्वीकृति अंतिम चरण पर है। इन पुलों के निर्माण से माड़ क्षेत्र से सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। ये पुल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। कांकेर में नरहरपुर विकासखण्ड के अंतिम छोर को जोड़ने के लिए बांसपत्तर-तिरियारपानी मार्ग में स्वीकृत पांच वृहद पुलों में से एक का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष चार पुलों के काम अगले वर्ष (2026) मार्च तक पूर्ण हो जाएंगे। जिले के इसी सीमावर्ती क्षेत्र में लेण्डारा से ठेमा मार्ग पर दो वृहद् पुल बने हैं। इनके निर्माण से कोण्डागांव जिले के विश्रामपुरी-बड़ेराजपुर विकासखण्ड से सीधा बारहमासी संपर्क हो गया है। विकास की दौड़ में अछूता सा रह गया यह क्षेत्र भी अब तेजी से विकास करेगा।

कांकेर के कोने-कोने को राज्यीय मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों, विकासखंडों, तहसीलों एवं जिला मुख्यालय से बारहमासी संपर्क स्थापित करने के लिए राज्य शासन द्वारा बजट में लगभग 250 करोड़ रुपए के 36 नवीन सेतु निर्माण कार्यों के प्रस्ताव शामिल किए गए हैं, जिनकी स्वीकृति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। आगामी बजट में 25 नए सेतु कार्यों को शामिल करने के लिए 154 करोड़ रुपए के प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जा रहा है। इन पुलों के निर्माण से जिले के कोने-कोने से जिला मुख्यालय एवं राजधानी आने-जाने के लिए लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

एमसीबी जिले में पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल

पहाड़ों, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा एमसीबी जिला। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यहां सड़कों का जाल सिर्फ कंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास की असली आधार है।

पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक एक परिवर्तन की कहानी

एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है। पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा, जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है। खरीदी समय पर होने से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि हुई है। आज किसान गर्व से कहते हैं कि सड़क आई, तो बाजार भी हमारे गांव आ गया।

पहले बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक लाने में कई घंटे लग जाते थे। पहले एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। पर अब स्थिति बदल चुकी है और 108 एम्बुलेंस सीधे घर तक पहुंच रही है, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हुआ, टीकाकरण, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आई, गंभीर मरीजों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सड़क निर्माण से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच आसान और सुविधाजनक हो गया है।

पहले दूरस्थ गांवों के बच्चे बारिश में स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बच्चे पहाड़ी रास्तों से डरकर पढ़ाई छोड़ देते थे। अब स्कूल वैन, बसें और ऑटो आसानी से पहुंचते हैं, अध्यापक समय पर स्कूल जा पा रहे हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए कस्बों और शहरों तक आसानी से आ-जा रहे हैं, जिससे ड्रॉपआउट में कमी आया है।

नया रोजगार और नई उम्मीदें

पीएमजीएसवाई निर्माण ने हजारों ग्रामीणों को रोजगार दिया। सड़क बनने से स्थानीय व्यवसाय, किराना, ढाबा, गैराज आदि, अब खुले परिवहन सेवाओं में वृद्धि हुई, जिससे निर्माण सामग्री की सप्लाई में स्थानीय लोगों को लाभ मिला। आसान हुई, जिससे स्थानीय गाइड और स्टे सुविधा बढ़ी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में यह एक स्थायी और मजबूत निवेश साबित हुआ है।

प्रशासन की सक्रियता-गुणवत्ता और गति दोनों पर जोर

सड़क निर्माण की निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और समयबद्ध समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। मानक अनुसार रोड बेस, साइड ड्रेन और सीसी पुल-पुलियों का मजबूत निर्माण, सड़क किनारे सुरक्षा चिन्ह व रिफ्लेक्टर, नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान मिल रहा है।

भविष्य की कदम शत-प्रतिशत कनेक्टिविटी की ओर

एडिशनल पैकेजों के तहत कई नए मार्ग स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण जारी है। लक्ष्य यह है कि जिले का कोई भी गांव सड़क विहीन न रहे, आपदा और बरसात में भी आवागमन बाधित न हो, सभी ग्रामीण सेवाओं की पहुँच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। एमसीबी जिले में सड़कें अब सिर्फ रास्ते नहीं रहीं बल्कि अब विकास, विश्वास और परिवर्तन की सशक्त पहचान बन चुकी हैं।

श्वान की शान और लोकतांत्रिक हलचल

वह तो एक माननीय का पालतू था, जो उतने ही शालीन अंदाज़ में चला, जितने शालीन होने की अपेक्षा कभी-कभी माननीयों से भी कर ली जाती है। उसने न भौंकने की जरूरत महसूस की, न दौड़ने की। युधिष्ठिर के साथ कहते हैं, एक कुत्ता स्वर्ग गया था और देवताओं ने भी उतना हल्ला नहीं मचाया होगा, जितना अब एक कुत्ते के संसद में प्रवेश करने पर मच गया है। सारे अख़बार और टीवी चैनल उसी कुत्ते की सांसों की गणना कर रहे हैं, मानो वह सिर्फ इमारत में नहीं घुसा, लोकतंत्र की रीढ़ में भी हलचल पैदा कर गया हो। यह कोई पहली बार नहीं था जब कुत्ता राष्ट्रीय सुर्खियों में आया हो। कभी सर्वोच्च अदालत ने सड़कों पर घूमते कुत्तों को लेकर दिशानिर्देश जारी किए थे और इस बार सत्ता के गलियारों में आते ही वही प्राणी वैधानिक बहस का नया बिंदु बन गया। संसद में आया यह कुत्ता न आवारा था, न उद्दंड। वह तो एक माननीय का पालतू था, जो उतने ही शालीन अंदाज़ में चला, जितने शालीन होने की अपेक्षा कभी-कभी माननीयों से भी कर ली जाती है।

उसने न भौंकने की जरूरत महसूस की, न दौड़ने की। न उसने टांग उठाकर क्षेत्रीय प्रभुत्व जताया। वह जितनी चुप्पी से आया, उतनी ही चुप्पी से चला गया, लेकिन देश में शोर ऐसा उठा मानो किसी संवैधानिक संस्था पर हमला हो गया हो। कुत्ते के प्रवेश को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी भी तेज़ रही। कुछ लोगों को लगा कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अपमान है, जबकि कुछ ने इसे बड़ा मुद्दा बनाने वालों को समझाया कि लोकतंत्र को खतरा कुत्तों से नहीं, उन इंसानों से है जो बिना आवाज़ किए भी काट लेने की क्षमता रखते हैं। बड़े-बड़े टीवी चैनलों ने भी रात भर पैनल बैठाकर कार्यक्रम किए। चुनाव, अर्थव्यवस्था, रोजगार जैसे विषयों पर सीमित दिलचस्पी रखने वाले वही चैनल इस 'कुत्ता-कांड' पर विशेषज्ञ बुलाकर बता रहे थे कि यह घटना किस दल को राजनीतिक लाभ पहुंचा सकती है और कौन-सा गुट इससे शर्मिंदा होना चाहिए। सोशल मीडिया ने भी अपने हिसाब से हास्य का मसाला डाला। एक लोकप्रिय मीम में सवाल पूछा गया— 'कुत्ता संसद में क्यों गया?' जवाब था— 'क्योंकि उसे लगा कि वहां भी उसकी नस्ल के जीव मिलेंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास की लाटरी 12 दिसम्बर को

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एएचपी आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत नगर निगम भिलाई क्षेत्र के मकानहीन परिवारों से मकान हेतु आवेदन जमा कराया गया है। आवासों का सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर कुल अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान राशि 75000 हजार निगम कोष में नियमानुसार जमा कराया जा रहा है। निगम सभागार कक्ष में दिनांक 12.12.2025 को दोपहर 12:30 बजे लाटरी आयोजित की गई है। लाटरी में वरिष्ठ नागरिको एवं दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवास तथा अन्य आवेदकों को आवास आबंटित किया जाना है।

निपनिया-भाटापारा सेक्शन में ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

रायपुर। निपनिया-भाटापारा ट्रिपल लाइन सेक्शन के ऑटोमेटिक सिगनलिंग कार्य के कारण गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। 6 दिसम्बर, सुबह 10.00 बजे से 7 दिसम्बर रात 10.00 बजे तक कार्य किया जाएगा। इस दौरान 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू, 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू, 68733 गेवरा रोड -बिलासपुर- मेमू, 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू, 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर, रायपुर-कोरबा पैसेंजर, 58205 रायपुर- नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) पैसेंजर, 58206 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी), 68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू, 68745 गेवरा रोड -रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। साथ ही 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर में समाप्त हो जायेगी। बिलासपुर -गोदिया-बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी।

सहायिका पद के लिए दावा आपत्ति 13 दिसम्बर तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र पंचशील नगर केन्द्र क्रमांक 01 वार्ड क्रमांक 01 में 01 सहायिका पद के नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था, जिसके लिए 13 दिसम्बर 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की अनन्तिम सूची परियोजना कार्यालय एवं नगर पालिक निगम दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु चस्पा की गई है। उक्त अवधि में कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत दावा आपत्ति ही मान्य किया जाएगा।

जेण्डर विशेषज्ञ के पद हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। महिला सशक्तिकरण केन्द्र में जेण्डर विशेषज्ञ (अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षित) के रिक्त संविदा पद की पूर्ति के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक पात्र उम्मीदवार 15 दिसंबर तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता, आवश्यक अनुभव, आवेदन प्रारूप तथा संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया का विस्तृत विवरण दुर्ग जिले की वेबसाइट www.durg.gov.in पर उपलब्ध है।

तालाबों का शहर धमधा बना अजगरों का 'हॉटस्पॉट', खेत से एक दिन में निकले दो

श्रीकंचनपथ समाचार

धमधा। जिले का धमधा वैसे तो तालाबों की नगरी के रूप में जाना जाता है पर अब इसे अजगरों के नाम से भी जाना जाएगा। यहां के एक खेत से एक ही दिन में दो-दो अजगर सांप निकले हैं। अजगरों को देखने के लिए यहां भारी भीड़ जुट रही है।

धमधा का घोटवानी गांव इन दिनों अजगरों के कारण चर्चा में है। यहां 3 दिसंबर को एक ही दिन में दो विशाल अजगर पकड़े गए, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल है। शइ गांव में अब तक कुल आठ अजगर निकल चुके हैं।

सुबह राजकुमार वर्मा के खेत में काम कर रहे मजदूरों ने एक भारी-भरकम अजगर को कुंडली मारे देखा। सांप को देखते ही गांव में हड़कंप मच गया और तुरंत 112 की टीम और वन विभाग को सूचना दी गई।

इस गांव में अब कुल 8 अजगर निकल चुके है।

वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। टीम अभी अजगर को लेकर धमधा की ओर जा ही रही थी कि गांव से एक और अजगर दिखने की खबर मिली। दूसरा अजगर गांव के बुधारू साहू के खलिहान में पाया गया। इस बार ग्रामीणों ने गांव के युवक वेदराज संतु वर्मा की मदद ली, जिन्होंने बिना किसी अफरा-तफरी के सांप को नियंत्रित किया और उसे सुरक्षित वन विभाग के हवाले कर दिया।

अजगरों का 'हॉटस्पॉट'!

ग्रामीणों में चर्चा है कि घोटवानी गांव अजगरों का 'हॉटस्पॉट' बन गया है। वहीं बुजुर्गों का मानना है कि बाढ़ के कारण जंगल के निचले इलाकों से अजगर बहकर गांव की तरफ आ गए होंगे। पानी उतरने के बाद ये सुरक्षित स्थानों की तलाश में खेतों में आ गए हैं।

'मोर गांव-मोर पानी' योजना के तहत गांव गांव में बने सोकपिट

वर्षाजल को जमीन के भीतर भेजने की हो रही कवायद, सामुदायिक सहभागिता भी हो रही मजबूत

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत दुर्ग जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। जल संचय एवं भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने हेतु मनरेगा के माध्यम से बड़े पैमाने पर जल संरचनाओं का निर्माण स्वीकृत किया गया है।

'मोर गांव मोर पानी' अभियान ने दुर्ग जिले में जल संरक्षण की दिशा में नई ऊर्जा और प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच जैसी संरचनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी जल प्रबंधन को मजबूत बना रही हैं और जल सुरक्षा के लक्ष्यों को साकार कर रहा हैं

यह अभियान छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर में वृद्धि तथा जल संरक्षण के लिए

सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना है।

अभियान के प्रमुख उद्देश्य वर्षा जल संरक्षण को ग्रामीण स्तर पर सामूहिक जिम्मेदारी बनाना, पारंपरिक जल स्रोतों कुएं, तालाब, जीर्णोद्धार विभिन्न तकनीकों से भूजल रिचार्ज बढ़ाना जल संकट की संभावनाओं को कम कर भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि जिले में विभिन्न जनपद पंचायतों के अंतर्गत वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच का निर्माण तेजी से किया जा रहा है- जनपद पंचायत दुर्ग के ग्राम पंचायत दमोदा में स्वीकृत राशि 6.47 लाख रूपए सृजित मानव दिवस 1678 कुल गड्ढे 1500, ग्राम पंचायत बोरई में स्वीकृत राशि 9.86 लाख रूपए सृजित मानव दिवस 3014 कुल गड्ढे 2500, ग्राम पंचायत अंजोरा ढाबा में स्वीकृत राशि 4.67 लाख रूपए सृजित मानव दिवस 912 कुल गड्ढे एक हजार।

इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत दारगांव में स्वीकृत राशि 7.62 लाख रूपए सृजित मानव दिवस 935 कुल गड्ढे 450, ग्राम पंचायत रौंदा में स्वीकृत राशि 7.16 लाख रूपए सृजित मानव दिवस 456 कुल गड्ढे 210 किया जा रहा है।

भूजलस्तर में हुआ सुधार

अभियान का प्रभाव वर्षा जल संचयन में वृद्धि, जल बहाव एवं मिट्टी कटाव में कमी भूजल स्तर में सुधार के सकारात्मक संकेत सामुदायिक सहभागिता से जल संरक्षण गतिविधियों को मिली मजबूती मनरेगा के माध्यम से ग्रामवासियों को सतत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

खुर्सीपार क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

आय में वृद्धि के साथ ही सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निगम की आय में वृद्धि करने के उपायों, मूलभूत नागरिक सुविधाओं की स्थिति और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

आयुक्त ने पावर हाउस बस स्टैंड के पास स्थित खाली पड़े निर्मित भवन का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को इस भवन को किसी प्राइवेट एजेंसी को किराए पर देने और किराया निर्धारित करने का निर्देश दिया, जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि हो सके।

वार्ड क्रं. 51, शहीद वीर नारायण सिंह नगर में एक भवन में संचालित प्राइवेट स्कूल का भी आयुक्त ने निरीक्षण किया।

आयुक्त ने वार्ड के मोहल्लों का भ्रमण कर पेयजल आपूर्ति और साफ-सफाई व्यवस्था का गहन जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और उनसे एसआईआर फार्म भरने से संबंधित चर्चा भी की।

खुर्सीपार गेट पर प्रस्तावित रोड निर्माण स्थल का अवलोकन किया गया। आयुक्त ने उपस्थित इंजीनियरों को आवश्यक निर्देश देते हुए तत्काल प्रस्ताव तैयार कराने के लिए निर्देशित किए हैं।

इस औचक निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त के साथ जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, परगनिया सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बीवी पर कमेंट से नाराज छोटे ने बड़े को काट डाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बड़े भाई ने छोटे भाई की बीवी पर कमेंट कर दिया। छोटे भाई का खून ऐसा खौला कि उसने बड़े भाई को हंसिये से काट डाला। घटना पुरानी भिलाई के पुरैना की है। बड़े भाई पर हमला करने के लिए हंसिया खुद छोटे भाई की पत्नी ही लेकर आई थी।

जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय राजू निर्मलकर का सुबह से ही छोटे भाई मुकेश के साथ झगड़ा हो रहा था। राजू ने मुकेश की पत्नी पर कमेंट किया था जिसे लेकर दोनों के बीच तनातनी चल रही थी। शाम को विवाद चरम पर पहुंच गया और यह भीषण हादसा हो गया।

बताया जाता है कि छोटे भाई की पत्नी ने गुस्से में घर के भीतर से हंसिया लाकर अपने पति को थमा दिया। गर्मा-गर्मी में छोटे ने बड़े पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बड़े भाई राजू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची और मुकेश तथा उसकी पत्नी को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पूछताछ जारी है।

मृतक राजू मजदूरी करता था। गुरुवार सुबह उसने मुकेश की पत्नी पर किसी बात को लेकर ताना मार दिया। इसके बाद दोनों भाइयों के बीच रुक रुक कर झगड़ा होता रहा। शाम करीब 6 बजे विवाद बढ़ गया और तैश में मुकेश ने बड़े भाई पर हंसिए से हमला कर दिया। मुकेश ने बड़े भाई राजू पर कई वार किए। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक के साले सुखदेव सिंह ने पुलिस को बताया कि सुबह से ही दोनों भाई लड़ झगड़ रहे थे। दोनों एकदूसरे को चाकू लेकर मारने भी दौड़े थे, लेकिन मोहल्ले वालों ने उन्हें अलग कर दिया था। शाम को विवाद ज्यादा बढ़ गया और इस बीच आरोपी मुकेश निर्मलकर ने अपनी पत्नी से हसिया मांगा और उससे बड़े भाई राजू निर्मलकर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया।

सरल और पारदर्शी धान खरीदी प्रक्रिया से सभी खुश, भूपेश ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में चल रहा धान खरीदी अभियान किसानों के लिए आशा की नई किरण लेकर आया है। 15 नवंबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। प्रति क्विंटल 3100 रुपए की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी से किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहे हैं।

ग्राम पंचायत गनियारी के रसमड़ा उपार्जन केंद्र में सिलोदा गांव के किसान भूपेश सिंह अपने दूसरे टोकन के तहत 96 क्विंटल धान की ब्रिकी की। कुल 5.19 हेक्टेयर का रकबा रखने वाले

भूपेश सिंह पहले टोकन से भी धान बेच चुके हैं। उन्होंने अपने खेतों में कावेरी किस्म का धान लगाया था।

भूपेश ने बताया कि धान की यह फसल हमारे लिए सिर्फ अनाज नहीं, बल्कि सालभर की मेहनत का प्रतिफल है। बारदाने भरने, तौलने, सिलाई करने और धान को उसकी क्वालिटी के अनुसार स्टैक करने के लिए समिति के कर्मचारी लगातार सक्रिय थे। खरीदी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी तरीके से पूरी हो रही है। श्री सिंह ने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

डेंगू, मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर निगम ने फिर छेड़ा अभियान

मच्छर उन्मूलन हो गया निगम का सालाना उत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। निगम क्षेत्रांतर्गत नागरिकों को मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से सुरक्षित रखने के लिए आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशों पर एक व्यापक जन जागरूकता और मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत निगम का विशेष दस्ता और जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर रही है और मच्छर प्रजनन स्रोतों को समाप्त करने का कार्य कर रही है।

निगम द्वारा गठित विशेष दस्ता के नेतृत्वकर्ता वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह ने जानकारी

देते हुए बताया कि 01 अप्रैल 2025 से 30 नवंबर 2025 तक चलाए गए सघन अभियान के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

कुल सर्वेक्षण किए गए घर 16,168 जांच किए गए और खाली कराए गए मच्छर प्रजनन स्रोत कुल 8,825, कूलर 3,327, टंकी 2,370 ड्रम/कंटेनर 3,096 अन्य स्रोत से 32 लार्वा नियंत्रण हेतु छिड़काव 13,253 घरों के 8,864 कूलरों में पानी मिश्रित एक्यूगार्ड का छिड़काव किया गया।? 19,125 कूलरों में पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य कराया गया।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने इस अवसर पर नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि, मच्छर अपने जीवन काल की प्रारंभिक तीन अवस्थाएं - अण्डा, लार्वा और प्यूपा - पानी में ही पूरी करते हैं। मच्छरों को व्यस्क अवस्था में पहुँचने से पूर्व ही प्रारंभिक स्तर पर मच्छर प्रजनन स्रोतों को समाप्त करना सबसे प्रभावी बचाव है।

उन्होंने मच्छरों के पनपने के स्थान को खत्म करने के लिए उपाय करने की अपील की जिसमें पानी संग्रहण पात्रों को ढंककर रखें। कूलर, टंकी, ड्रम या कंटेनर में संग्रहित पानी को सप्ताह में कम से कम एक दिन अवश्य खाली कर/सूखाकर ही नया पानी भरकर उपयोग करें। घर के आसपास पानी का जमाव नहीं होने दें। यदि पानी जमा होता है, तो उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल डालें।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा 7 को

कोरबा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा 7 दिसंबर को प्रात: 10 बजे से शाम 05 बजे तक जिला के सभी शासकीय प्राथमिक शालाओं में आयोजित की गई है। जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन प्राधिकरण कोरबा ने बताया कि कोरबा जिले को 27960 परीक्षार्थियों का लक्ष्य दिया गया है। कोरबा विकासखंड को 5517, करतला को 6156, कटघोरा को 7106, पाली को 5657 और पोंड़ीउपरोड़ा को 3524 परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित कराने का लक्ष्य दिया गया है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 76.75 लाख का 2476 क्विंटल धान जब्त

रायपुर। धान अवैध परिवहन और भंडारण पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते दिनों सख्त निगरानी अभियान चलाया। जिला प्रशासन एवं मंडी विभाग के संयुक्त प्रयासों से सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अब तक 76.75 लाख रुपये मूल्य का कुल 2476 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, कृषि उपज मंडी तथा सहकारिता विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा 03 दिसंबर तक लगातार छापेमारी की गई। जिले में निगरानी और जांच अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा।

योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन 7 को

कोरबा। योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन जिला कोरबा द्वारा 7 दिसंबर को योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन की तैयारी जोरों से चल रही है। यह प्रतियोगिता गीतांजली भवन, पुराना बस स्टैंड परिसर में होगा। जिसमें प्रतिभागी आयु सीमा कुछ इस प्रकार है। 14 से 17 वर्ष, 18 से 24 वर्ष, 25 से 35 वर्ष, 36 से 45 वर्ष तक महिलाओं के लिए अलग अलग आयुवर्ग का विभाजन किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपना अग्रिम पंजीयन दिए गए ऑफिसियल नंबर पर अवश्य कराएं।

लक्ष्मी राजवाड़े ने किया 157 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत सूरजपुर जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु स्वीकृत कुल 157.34 लाख रुपये की लागत वाले निर्माण कार्यों की नींव रखी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम कसकेला में 26.05 लाख रुपए की लागत से सी.सी. सड़क और नाली निर्माण, ग्राम सिलफिली में 76.74 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण, ग्राम गणेशपुर में 37.48 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा ग्राम करमपुर में 17.07 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया।

बूढ़ातालाब रोड से हटाया गया अतिक्रमण

रायपुर। सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण-मुक्त बनाने के अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर टीम प्रहरी ने रायपुर नगर निगम जोन-4 क्षेत्र में बूढ़ातालाब स्थित स्वामी विवेकानंद सरोवर के मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। यह इलाका लंबे समय से फुटपाथ कब्जे, अवैध ठेलों और निर्माण सामग्री के ढेर की वजह से जाम और अव्यवस्था का केंद्र बना हुआ था। सुबह से ही जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में बने अवैध कब्जों को चिन्हित किया गया। टीम ने दुकानदारों और राहगीरों को क्षेत्र खाली करने का निर्देश दिया।

बाल अधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ आयोग करेगा सख्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन किया गया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि बच्चों के अधिकारों का हनन करने वाले लोगों के खिलाफ आयोग सख्त कार्यवाही करेगा।

स्कूलों के आसपास पान ठेला, गुमटी लगाकार गुटखा सिगरेट एवं अन्य व्यवसन बेचने वालों को स्कूल कैंपस से दुर रखने के लिए प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं। जिन बच्चों की देखभाल में लापरवाही बरती जाएगी उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

हाल ही में कोरबा एवं कसडोल में

बच्चों के साथ हुई घटना को लेकर आयोग ने संज्ञान लेकर तत्काल कार्यवाही की।

बाल सुधार गृह का निरीक्षण कर डॉ. शर्मा ने किसी भी प्रकार की क्रूरता करने पर धारा 75 के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कसडोल दौरे का विवरण देते हुए बताया कि वहां वे बाल मेला में शामिल होने शासकीय स्कूल पहुंची थीं वहां पर गुटखा एवं अन्य कचरों का ढेर देखकर उन्होंने तत्काल प्राचार्य को जमकर फटकार लगाई और भविष्य में इस तरह की स्थिति निर्मित होने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है। आयोग गांव शहर में रहने वाले हर बच्चों के अधिकार के लिए सजग है। शिकायत मिलने पर आयोग संज्ञान लेकर त्वरित कार्यवाही कर रहा है।

एसी में होगा फायर डिटेक्शन सिस्टम और सभी गार्ड वैनों में लगेगा हैंड ब्रेक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग ने यात्री सुरक्षा, संचालन दक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत करते हुए एसी कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम के उन्नत उपयोग तथा गार्ड वैन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर की व्यवस्था जैसे दो महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार सफलतापूर्वक लागू किए हैं । ये दोनों पहलें रेलवे सुरक्षा मानकों को नई ऊंचाई प्रदान करती हैं और यात्रियों के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं ।

एसी कोचों में उन्नत फायर डिटेक्शन सिस्टम

फायर डिटेक्शन सिस्टम एक स्वचालित धुआं पहचान एवं अलर्ट व्यवस्था है, जिसे एसी कोचों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है। सिस्टम के माध्यम से धुआं या आग की प्रारंभिक उपस्थिति का तुरंत पता लगता है और अलार्म सक्रिय हो जाता है, जिससे त्वरित कार्रवाई संभव होती है तथा किसी भी संभावित जोखिम में उल्लेखनीय कमी आती है ।

फायर अलार्म धुआं पहचानते ही स्वत: चेतावनी देने लगता है। कोच के भीतर संभावित आग/धुआं की स्थिति की त्वरित जानकारी ट्रेन संचालक को मिल जाती है। इससे जोखिम को कम करने व समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। यात्रियों एवं ट्रेन स्टाफ में सुरक्षा के प्रति जागरूकता में वृद्धि होती है।

राज्योत्सव 2025 में रहा आकर्षण का केंद्र

दुर्ग कोचिंग डिपो द्वारा इस उन्नत फायर डिटेक्शन सिस्टम को राज्योत्सव 2025 में प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया गया, जहाँ इस मॉडल को व्यापक सराहना मिली। आगंतुकों को सिस्टम के डिजाइन, कार्य-सिद्धांत और अलर्ट तंत्र की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान की गई, जिससे रेलवे की अग्नि सुरक्षा तकनीकों के प्रति आमजन की जागरूकता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई ।

गार्ड वैन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर की व्यवस्था

कोचिंग डिपो बिलासपुर द्वारा दो एलएचबी गार्ड वैन में ट्रेन मैनेजर (गार्ड) के केबिन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर स्थापित किया गया है । यह सुधार ब्रेक संचालन की निगरानी को सरल और अधिक विश्वसनीय बनाता है, जिससे ट्रेन संचालन में सुरक्षा को नई मजबूती मिलती है।

रिट्रोफिटमेंट के मुख्य लाभ यह हैं कि इससे हैंड ब्रेक रिलीज की सीधी मॉनिटरिंग हो सकती है। ट्रेन मैनेजर को केबिन से ही ब्रेक की वास्तविक स्थिति का पता चल जाता है, जिससे गलतियों की संभावना कम होती है। इससे ब्रेक संचालन में सुधार होता है एवं स्टाफ का वर्कलोड कम होता है। गार्ड एवं ऑपरेटिंग स्टाफ के लिए मॉनिटरिंग आसान हो जाती है, जिससे संचालन दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ती है। यह व्यवस्था गार्ड की परिचालन क्षमता बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने तथा कोचिंग रेक में समग्र सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में भूमिका निभाती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो बिलासपुर एवं दुर्ग द्वारा किए गए ये तकनीकी नवाचार रेलवे की संचालन संरक्षा, विश्वसनीयता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

बिलासपुर-वलसाड-बिलासपुर के बीच चलेगी शीतकालीन स्पेशल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शीतकाल के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-वलसाड-बिलासपुर के मध्य 4-4 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। इस गाड़ी में पर्याप्त संख्या में सीट उपलब्ध है।

गाड़ी संख्या 08243 बिलासपुर-वलसाड शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 18 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को तथा गाड़ी संख्या 08244 वलसाड-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन वलसाड से दिनांक 19 दिसम्बर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी ।

इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दोनों दिशाओं में भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, बड़नेरा, अकोला, मल्कापुर, भुसावल, जलगाँव, अमलनेर, नंदूरबार, चलथान तथा भेसथान स्टेशनों में दिया गया है।

इस शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 05 सामान्य, 10 स्लीपर, 02 एसी-3 तथा 01 एसी-2 सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध है।

08243 बिलासपुर-वलसाड शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को बिलासपुर से 16.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 16.40 बजे, प्रस्थान 16.42 बजे, रायपुर आगमन 17.45 बजे, प्रस्थान 17.50 बजे, दुर्ग आगमन 18.50 बजे, प्रस्थान 18.52 बजे, राजनादगाँव आगमन 19.13 बजे, प्रस्थान 19.15 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 19.38 बजे, प्रस्थान 19.40 बजे, गोंदिया आगमन 20.50 बजे, प्रस्थान 20.55 बजे तथा रास्ते के ठहराव वाले अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08244 वलसाड-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को वलसाड से 16.50 बजे रवाना होगी तथा रास्ते के ठहराव वाले अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 08.30 बजे, प्रस्थान 08.35 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 09.40 बजे, प्रस्थान 09.42 बजे, राजनादगाँव आगमन 10.07 बजे, प्रस्थान 10.09 बजे, दुर्ग आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 10.52 बजे, रायपुर आगमन 11.35 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, भाटापारा आगमन 12.35 बजे, प्रस्थान 12.37 बजे तथा 13.50 बजे बिलासपुर स्टेशन पहुंचेगी।

पीएम टीबी मुक्त भारत अभियान में 5 वर्षीय मायरा का अनूठा योगदान

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सुकमा जिले में चल रहे जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल मिली, जब मात्र 5 वर्षीय मायरा केंद्रे ने अपने जन्मदिन को जरूरतमंद टीबी ग्रसित बच्चों के नाम समर्पित कर दिया। मायरा ने अपने जन्मदिन पर जिले के 5 टीबी प्रभावित बच्चों को पोषण आहार प्रदान किया और उनके साथ केक काटकर अपना विशेष दिन मनाया। उनके इस मानवीय कदम ने सभी का हृदय जीत लिया।

मायरा के अभिभावकों ने बताया कि लगभग एक वर्ष पहले ही मायरा ने यह फैसला कर लिया था कि वह अपना अगला जन्मदिन टीबी ग्रसित बच्चों के साथ मनाएगी। उसे यह प्रेरणा अपनी मां डॉ. अनुजा केंद्रे, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल सुकमा, से मिली।

डॉ. अनुजा ने पिछले वर्ष अपने जन्मदिन के अवसर पर पांच नवजात शिशुओं को गोद लेकर उनके इलाज पूरा होने तक पोषण आहार देने की जिम्मेदारी निभाई थी। उसी घटना ने मायरा के मन में सेवा और सहयोग की भावना को जन्म दिया।

जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अधिकारियों ने बताया कि टीबी मरीजों, विशेषकर बच्चों के लिए उच्च पोषण आहार अत्यंत आवश्यक है। सही पोषण उन्हें बीमारी से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है और उनकी रिकवरी तेज होती है। इस तरह की व्यक्तिगत पहलें टीबी मुक्त भारत अभियान को मजबूती देती हैं और समाज में जागरूकता फैलाती हैं।

मायरा की पहल ने यह साबित किया कि सेवा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती। एक 5 साल की बच्ची द्वारा टीबी प्रभावित बच्चों की मदद करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। कार्यक्रम में मौजूद स्वास्थ्य टीम और अभिभावकों ने मायरा के कदम की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयास टीबी के खिलाफ लड़ाई को नई गति प्रदान करते हैं।

निश्चय मित्र बनकर आप भी कर सकते हैं सहयोग

जिला क्षय उन्मूलन केंद्र सुकमा ने नागरिकों से अपील की है कि वे टीबी मरीजों के पोषण और सहयोग के लिए 'निश्चय मित्र' बनकर अभियान से जुड़ें। इच्छुक व्यक्ति जिला क्षय उन्मूलन केंद्र, सुकमा से संपर्क कर सकते हैं और किसी जरूरतमंद मरीज की सहायता

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में देश में सबसे आगे निकल गया छत्तीसगढ़ - किरण देव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल के पूरे होने जा रहे कार्यकाल को संकल्पों की सिद्धि और उपलब्धियों का प्रामाणिक दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर गरीब के सिर पर पक्की छत का जो संकल्प भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 'मोदी की गारंटी' में व्यक्त किया था, वह गारंटी पूरी करके प्रदेश सरकार ने विश्वसनीयता अर्जित की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के दो साल के महत्वपूर्ण निर्णयों एवं उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र कर बताया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर मोदी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना शुरू होने से अब तक 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016-26 तक कुल प्राप्त लक्ष्य 26,27,223 आवासों के विरुद्ध 24,22,571 आवासों की स्वीकृति कर 16,72,002 हितग्राहियों के आवासों को पूर्ण कराया जा चुका है।

आवास निर्माण की गति बढ़ाते हुए लगभग 2,000 आवास प्रतिदिवस निर्माण किया जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान योजनांतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को पक्के आवास से लाभान्वित किया जा रहा है जिसके तहत अभी तक कुल 33,217 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत प्रदेश के आवासहीन 38,798 परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए 15 हजार आवास स्वीकृत के गए हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित सुरक्षा कैंप की 10 कि.मी. की परिधि में आने वाले गाँवों में नियद नेल्लानार योजना के तहत 327 गांवों में 13,788 घरों और शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार आवास से आजीविका प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 8000 से अधिक महिला स्व-सहायता समूह की दीदियाँ सेंटरिंग प्लेट एवं निर्माण सामग्री की आपूर्ति के कार्य से लखपति दीदी बनीं।

उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्र 4500 से अधिक ग्राम पंचायतों में पीएमएवाय-जी के हितग्राहियों की किश्तों का आहरण आसान हुआ है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में स्वास्थ्य सेवाओं के बढ़ते कदम

सुरक्षित सिजेरियन शुरू, लंबे सफर से मिली निजात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार हो रहे हैं। जिले में सिजेरियन डिलीवरी सुविधा की सफल शुरुआत एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में सामने आई है।

पूर्व में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को जिला चिकित्सालय राजनांदगांव रेफर किया जाता था, जिसके लिए लंबा सफर तय करना पड़ता था। जिले में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रसव कक्ष और सुव्यवस्थित ऑपरेशन थिएटर से

स्थानीय स्तर पर ही सुरक्षित एवं त्वरित प्रसव सेवाएँ उपलब्ध हो गई हैं। जिले में अब तक 15 सफल सिजेरियन प्रसव किए जा चुके हैं, जिससे मातृ-शिशु स्वास्थ्य को नई मजबूती मिली है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत एनीमिया, गर्भावस्था-प्रेरित उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड तथा रक्त संबंधी समस्याओं जैसी उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।

जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में 24 घंटे चिकित्सा सेवाएँ सुनिश्चित की गई हैं, ताकि गर्भवती महिलाओं को किसी भी समय त्वरित उपचार प्राप्त हो सके। जिले में सिजेरियन सुविधा उपलब्ध होने से ऐसी गर्भवती माताओं को सुरक्षित और विशेषज्ञ देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त निर्बाध एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। इसी क्रम में 01 दिसम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में एक सफल सिजेरियन डिलीवरी तथा 16 महिलाओं की नसबंदी सर्जरी संपन्न की गई। यह उपलब्धि जिले की स्वास्थ्य टीम की दक्षता और सेवाभाव का प्रमाण है।

राष्ट्रीय शालेय भारोत्तोलन में रिहान ने 273 किलो उठाकर जीता स्वर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। 16 वर्ष के रिहान खान ने राष्ट्रीय शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्णपदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिला भारोत्तोलन संघ के संरक्षक व छ.ग. प्रदेश भारोत्तोलन संघ के उपाध्यक्ष अजय वास्तव ने बताया ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता, जो 26 नवंबर से 1 दिसंबर तक खेलो इंडिया ऑडिटोरियम, ईटानगर में आयोजित हुई।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले जय भवानी व्यायाम शाला के दिग्विजय स्टेडियम प्रशिक्षण केंद्र के उभरते हुए वेटलिफ्टर रिहान खान ने 98 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। ज्ञात हो कि रिहान जिला प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से इस खेल के प्रति लगाव बढ़ा और विशेष ट्रेनिंग से तराशा गया। प्रतियोगिता के दौरान रिहान खान ने अपनी अद्भुत शारीरिक क्षमता, उत्कृष्ट तकनीक और दृढ़ मानसिक संतुलन का परिचय देते हुए— स्नैच में 118 किलो, क्लीन एंड जर्क में 155 किलो, कुल 273 किलो भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रिहान की यह शानदार उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, निरंतर प्रशिक्षण और खेल के प्रति सच्ची लगन का परिणाम है। रिहान ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे राजनांदगांव जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

विजय देवरकोंडा से शादी की चर्चाओं पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया जवाब सुन फैंस हुए उत्साहित

पिछले कुछ वक्त से रश्मिका मंदाना काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। ये चर्चाएं रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी को लेकर हो रही हैं। लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, रश्मिका या विजय ने अब तक इन खबरों की पुष्टि नहीं की है। अब रश्मिका ने अपनी शादी की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, एक्ट्रेस ने पूरी तरह से कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है।

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्मों और वर्कफ्रंट के साथ-साथ अपनी शादी की चर्चाओं पर रिएक्ट किया। इस दौरान जब रश्मिका से पूछा गया कि क्या वह विजय से अपनी कथित शादी की पुष्टि या खंडन करना चाहती हैं? तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं शादी की पुष्टि या खंडन नहीं करना चाहती।

मैं बस इतना कहूंगी कि जब इस बारे में बात करने का समय आएगा, तब हम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैंस या मीडिया के साथ कुछ भी साझा करने से पहले थोड़ा समय लेना चाहती हैं। रश्मिका की इस प्रतिक्रिया के बाद दोनों की शादी को लेकर अटकलें और भी तेज हो गई हैं।

फरवरी में शादी करने की हैं चर्चाएं

कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी उदयपुर में होगी। रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि रश्मिका शादी की तैयारियों के लिए उदयपुर में इंतजाम तक देखने जा चुकी हैं।

अक्टूबर में विजय-रश्मिका ने की थी सगाई

रश्मिका और विजय की सगाई की खबरें अक्टूबर में काफी चर्चा में रही थीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन्हें स्वीकार या खारिज नहीं किया और न ही कोई फोटोज सामने आई। लेकिन बाद में विजय की टीम ने हिंदुस्तान टाइम्स को पुष्टि की कि दोनों ने सगाई कर ली है। टीम ने यह भी पुष्टि की कि कपल फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। अब रश्मिका के शादी की खबरों को खारिज न करने के बाद इन चर्चाओं को और भी बल मिलता है।

अक्सर साथ नजर आते हैं विजय-रश्मिका

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने साथ में 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। इसके बाद से ही दोनों के बीच अफेयर की चर्चाएं आती रहती हैं। दोनों अक्सर कई मौकों पर साथ भी देखा जाता है। दोनों साथ में ही छुट्टियां मनाने भी जाते हैं। हालांकि, इसके बावजूद दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है।

द राजा साब से आया बोमन ईरानी के बर्थडे पर नया पोस्टर, प्रभास ने भी किया एक्टर को जन्मदिन विश

प्रभास स्टारर हॉरर फैंटेसी फिल्म द राजा साब के मेकर्स ने बोमन ईरानी के जन्मदिन को खुद एक सिनेमाई पल में बदल दिया.। फैंस के लिए इससे बड़ा सरप्राइज क्या होगा, जब टीम ने इस दिग्गज अभिनेता का एक बिल्कुल नया लुक पोस्टर रिलीज कर दिया। इस पोस्टर ने ना सिर्फ सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी, बल्कि इंडस्ट्री में भी एक्साइटमेंट की लहर दौड़ा दी। प्रभास ने एक्टर का पोस्टर शेयर कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

फिल्म में बोमन ईरानी एक साइकेट्रिस्ट, हिप्नोटिस्ट और पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनका किरदार बुद्धि और रहस्य के अनोखे संगम में लिपटा हुआ है। ट्रेलर में उनका एक झलकभर सीन पहले ही दिखा चुका है कि वो प्रभास के किरदार को सम्मोहित करते हैं, जो कहानी के पहले बड़े मोड़ की शुरुआत बनता है।

जन्मदिन पर रिलीज हुआ यह स्पेशल पोस्टर फिल्म के साइकोलॉजिकल पहलू की अब तक की सबसे झलक दिखाता है. गहरे, सॉम्बर रंगों में, हाथ में छड़ी लिए, बोमन ईरानी का यह अवतार ऐसे इंसान की तरह दिखता है जो अनदेखी दुनिया की परतों में उतर चुका है। इस मौके पर मेकर्स ने बोमन ईरानी के लिए एक खूबसूरत नोट भी शेयर किया, जिसमें उनके किरदार के कई अनकहे राज़ों की झलक दिखाई देती है। कैप्शन में लिखा गया, जो हकीकत और अनजाने के बीच खड़ा है। टीम द राजा साब की तरफ से बोमन ईरानी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

पोस्टर शेयर करते हुए प्रभास ने भी बोमन ईरानी को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं बोमन ईरानी सर, आने वाला साल शानदार हो। प्रभास की दमदार मौजूदगी और बोमन ईरानी की गहरी, बौद्धिक गंभीरता के साथ द राजा साब 2026 की सबसे बड़ी और चर्चित रिलीज में से एक बनकर उभर रही है। ऐसे में बोमन ईरानी का यह बर्थडे पोस्टर फिल्म के रहस्यों का परदा उठाने वाली पहली दस्तक बन गया है।

फिल्म को मुरुगटी ने लिखा और निर्देशित किया है। इसका निर्माण पीपूल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट ने किया है। फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी अहम किरदारों में नजर आएंगे। द राजा साब 9 जनवरी 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

पेड प्रमोशन को लेकर फूटा यामी गौतम का गुस्सा, ऋतिक रोशन ने दिया हैरान कर देने वाला रिएक्शन

यामी गौतम ने पेड प्रमोशन और नेगेटिव कैंपेन के गोरखधंधे के खिलाफ आवाज उठाई है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने पूरे फिल्म उद्योग से एकजुट होकर इसे खत्म करने की अपील की। यामी की इस बात पर ऋतिक रोशन ने अपना रिएक्शन दिया है।

यामी गौतम ने गुरुवार अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने इस गलत चलन को 'जबरन वसूली' और उद्योग के लिए 'दीमक' बताया। यामी ने लिखा कि आजकल कुछ लोग फिल्म की तारीफ के बदले पैसे मांगते हैं, वरना रिलीज से पहले ही लगातार नेगेटिव बातें लिखते रहते हैं। यह पैसा देकर अच्छा प्रचार करवाने या किसी दूसरे कलाकार या फिल्म के खिलाफ बुराई फैलाने का धंधा बन गया है। इससे क्रिएटिविटी पीछे छूट रही है और भारतीय सिनेमा का भविष्य खतरे में है।

दक्षिण सिनेमा की तारीफ की

यामी ने आगे कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कोई ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर पाता क्योंकि वहां लोग एकजुट हैं। यामी ने सभी निर्माताओं, निर्देशकों और कलाकारों से अपील की है कि वह इस गंदी संस्कृति को अभी रोके, वरना यह सबको नुकसान पहुंचाएगी। यामी ने आगे यह भी लिखा कि वह यह बात एक ईमानदार निर्माता (अपने पति आदित्य धर) की पत्नी और इंडस्ट्री की चिंतित सदस्य के तौर पर कह रही हैं। दर्शकों को खुद तय करने दें कि उन्हें फिल्म कैसी लगी, पैसे देकर जबरदस्ती तारीफ या बुराई न करवाई जाए।

ऋतिक ने दिया यामी का साथ

यामी की बात से ऋतिक रोशन सहमत हैं। उन्होंने यामी का सपोर्ट किया। ऋतिक ने एक्स पर कमेंट में लिखा कि इस चलन से सबसे बड़ा नुकसान उनका होता है, जो पैसा देकर रिव्यू लिखवाए जाते हैं, न तो इसे लिखने वाला निष्पक्ष रह पाता है और न कलाकार को सच्ची प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे वह आगे सुधार कर सकें। इससे सबकी क्रिएटिविटी और ग्रोथ रुक जाती है।

डीपनेक टाइटफिटेड आउटफिट में अनन्या पांडे का सिजलिंग अवतार सोशल मीडिया पर छाया, खूबसूरती ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान!

बॉलीवुड की यंग और स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में शामिल अनन्या पांडे एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वह जीक्यू इवेंट में स्पॉट हुईं, जहां उनका बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अनन्या का ये यूनिक और सिजलिंग अवतार देखने के बाद फैंस लगातार उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

इवेंट के दौरान अनन्या ने एक बेहद स्टाइलिश और यूनिक आउटफिट कैरी किया. उनका अपर पार्ट डीप नेक और टाइट-फिटेड डिजाइन में है। जिसमें नेट फैब्रिक और वाइट स्टोन का खूबसूरत काम किया गया है। यह ड्रेस उन पर न सिर्फ एलीगेंट लग रही है, बल्कि उनकी फिगर को भी परफेक्ट तरीके से हाईलाइट कर रही है।

नीचे की ओर यह आउटफिट फ्लोई डिजाइन में है, जिसने पूरे लुक को और भी ग्रेसफुल बना दिया। अनन्या का यह मॉडर्न स्टाइलिश अवतार सोशल मीडिया पर इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।

अपने आउटफिट को और खास बनाने के लिए अनन्या ने उसी कलर का एक कोट भी कैरी किया है। इस स्टाइलिश टच ने उनके पूरे लुक को काफी क्लासी बना दिया। स्टेटमेंट ईयररिंग्स, शाइनी मेकअप और खुले बालों के साथ एक्ट्रेस ने अपना ग्लैमरस लुक कंप्लीट किया।

उनकी हर तस्वीर में फैशन और स्टाइल का एक परफेक्ट कॉम्बिनेशन नजर आ रहा है, जिसे देखकर फैंस एक बार फिर उनके दीवाने हो गए हैं, जिसका सीधा उदाहरण उनके कमेंट बॉक्स में फैंस की तारीफें साफ बता रहीं हैं।

अनन्या पांडे इंडियन हो या वेस्टर्न हर तरह के आउटफिट को आसानी से कैरी करने के लिए जानी जाती हैं। उनके स्टाइलिश लुक्स अकसर सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं और कुछ ही मिनटों में चर्चा का विषय बन जाते हैं। उनकी फैशन चॉइसेज हमेशा ट्रेंडी रहने के साथ-साथ यूथ के लिए स्टाइल इंस्पिरेशन भी बन जाती हैं।

काम की बात करें तो अनन्या पांडे इन दिनों कार्तिक आर्यन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है और फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

बहरहाल, इस तरह अनन्या पांडे एक बार फिर अपने फैशन गेम के जरिए लाइमलाइट में हैं और उनका ये नया सिजलिंग अवतार हर तरफ चर्चा का विषय बना हुआ है, जिस पर फैंस दिलखोल कर प्यार लुटा रहे हैं।

एली अवराम ने बतायी हुमा डोल के पीछे अपने सपनों की कहानी, बोलीं- प्रिंसेस की तरह कर रही थी महसूस

बॉलीवुड और इंटरनेशनल म्यूजिक के फैंस के लिए हुमा डोल एक यादगार म्यूजिक वीडियो बन गया है। यह गाना न सिर्फ अपने खूबसूरत संगीत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की कहानी भी किसी सपने की तरह है। अभिनेत्री एली अवराम ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे यह प्रोजेक्ट उनके लिए दो बड़े सपनों को सच करने जैसा रहा।

एली अवराम ने कहा कि उन्होंने हमेशा चाहा था कि वह मोरक्को के सुपरस्टार गायक साद लमजार्रेड के साथ किसी म्यूजिक वीडियो में काम करें। उनके लिए यह मौका लंबे समय से एक सपना बनकर रहा था। उन्होंने कहा, जब मैंने साद लमजार्रेड का एक सुपरहिट अरबी गाना सुना था, तब से ही मन में यही इच्छा थी कि एक दिन उनके साथ काम करेंगी।

यह सपना आखिरकार हुमा डोल के जरिए सच हो गया। गाने को एक साल पूरा होने पर जब उनसे यादों के बारे में पूछा गया, तो एली ने कहा कि उनके दिमाग में सेट की एनर्जी और उत्साह समेत कई यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा, मेरे इस अनुभव ने दो सपनों को पूरा किया। पहला सपना तो साद लमजार्रेड के साथ काम करने का था और दूसरा सपना था कि मैं किसी पुराने जमाने की कहानी में एक प्रिंसेस जैसा लुक अपनाकर अभिनय करूं।

हुमा डोल ने मेरे इन दोनों सपनों को पूरा किया। मैं शूटिंग के दौरान सच में खुद को एक प्रिंसेस की तरह महसूस कर रही थी।

एली ने कहा, जब म्यूजिक वीडियो की टीम ने मुझे कास्ट करने के लिए संपर्क किया, तब एहसास हुआ कि बड़े सपने देखने से कभी डरना नहीं चाहिए। अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वह सच हो सकते हैं।

मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि सपने सच में पूरे हो सकते हैं। हुमा डोल गाने को लेकर एली ने बताया कि म्यूजिक वीडियो शूट करना उनके लिए किसी फिल्म बनाने से कम नहीं लगता, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और इमोशन भी देना पड़ता है। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें ऐसे ही शानदार और जादुई म्यूजिक वीडियो करने का मौका मिलेगा।

बस्तर में शांति का नया अध्याय

नक्सल मुक्त इलाकों में वानिकी बन रहा रोजगार का प्रमुख जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर जिले के सुदूर वनांचल में बसे क्षेत्र चांदामेटा, मुण्डागढ़, छिन्दगुर और तुलसी डोंगरी जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, अब विकास और शांति का नया अध्याय लिख रहे हैं। जिन पहाड़ियों और जंगलों में कभी नक्सलियों की ट्रेनिंग हुआ करती थी, वहीं आज वन विभाग स्थानीय युवाओं को वानिकी कार्यों का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध करा रहा है।

इन इलाकों में लंबे समय तक नक्सलियों के प्रभाव तथा उनसे जुड़े लोगों द्वारा कानूनों की गलत व्याख्या ने ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से दूर रखा। शासन के प्रति अविश्वास का वातावरण बना दिया गया। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं।

ग्रामीणों ने इन तत्वों की वास्तविक मंशा को समझ लिया है और अब वे दूसरों की लड़ाई में अपना समय और भविष्य गंवाने को तैयार नहीं हैं। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार किए जा रहे संवाद, जागरूकता और विश्वास निर्माण ने ग्रामीणों का नजरिया बदला है। स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों को उनके ही गांव के आसपास वानिकी कार्यों में रोजगार देकर न सिर्फ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत की जा रही है, बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाया जा रहा है।

ग्राम मुण्डागढ़ के समीप स्थित बांस वनों का इस वर्ष वैज्ञानिक तरीके से वन-उपचार किया गया है। ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे इस कार्य से लगभग 20 लाख रुपये का तत्काल रोजगार सीधे उनके बैंक खातों में पहुँचेगा। आने वाले तीन वर्षों में लगभग 01 करोड़ 37 लाख रुपये के अतिरिक्त रोजगार की संभावना है। इस क्षेत्र से प्राप्त 566 नोशनल टन बांस के उत्पादन का शत-प्रतिशत लाभांश वन प्रबंधन समिति के माध्यम से ग्रामीण विकास में ही खर्च किया जाएगा। छिन्दगुर और चांदामेटा के पहाड़ी क्षेत्रों में इस वर्ष प्रवरण सह सुधार कार्य के तहत बीमार, वृद्ध और मृत वृक्षों को हटाकर जंगल का उपचार किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को 32 लाख रुपये का तत्काल रोजगार मिल रहा है।

काष्ठ उत्पादन से प्राप्त आय का 20 प्रतिशत लाभांश भी गांव की समिति को मिलेगा। अगले 6 वर्षों में लगभग 43 लाख रुपये का अतिरिक्त रोजगार वन उपचार के माध्यम से उपलब्ध होगा। इसके अलावा वन विभाग ग्रामीणों से सतत संपर्क में रहते हुए उनकी आवश्यकताओं का समाधान भी कर रहा है।

ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण, समिति सदस्यों को टी-शर्ट उपलब्ध कराना जैसी जरूरतें तुरंत पूरी की जा रही हैं। वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता ने कहा कि एक समय भय और हिंसा की पहचान रहे ये इलाके आज शांति, आजीविका और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

वानिकी कार्यों के माध्यम से जल, जंगल एवं जमीन का संरक्षण करते हुए ग्रामीणों को स्थायी आजीविका उपलब्ध कराई जा रही है। बस्तर के नक्सल मुक्त गांव अब साबित कर रहे हैं कि जब विश्वास और विकास साथ आते हैं, तो परिस्थितियाँ बदलना केवल समय की बात होगी।

वाटरशेड महोत्सवः जल संचयन पर रील बनाओ, इनाम पाओ प्रतियोगिता

जशपुर जिले में विभिन्न गतिविधियों का हो रहा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार भूमि संसाधन विभाग द्वारा राज्य शासन के सहयोग से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - जलग्रहण विकास घटक अंतर्गत वाटरशेड महोत्सव का आयोजन 19 नवंबर से 19 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में आयोजित इस महोत्सव के तहत जशपुर जिले में परियोजना स्तर पर श्रमदान, लोकार्पण, भूमिपूजन, जागरूकता कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

वाटरशेड महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय सोशल मीडिया प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में चार रील विजेताओं को 50-50 हजार रुपये तथा 100 फोटोग्राफी विजेताओं को 1-1 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। चार विजेता रीलों में से तीन रीलें जल संचयन से संबंधित परियोजना क्षेत्र में निर्मित संरचनाओं पर आधारित होंगी, जबकि एक रील बागवानी एवं कृषि वानिकी गतिविधियों पर आधारित होगी। यह प्रतियोगिता 31 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी।

प्रतिभागी 30 से 60 सेकंड की रील या शीर्षक सहित फोटो तैयार कर सकते हैं, जिसमें जल संचयन संरचनाओं-जैसे चेकडेम, स्टापडेम, नाला बंधान, डबरी, सामुदायिक तालाब, ढीले बोल्डर से बने गेबियन ढांचे आदि-को प्रदर्शित करना होगा। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के तहत विकसित बागवानी, पौधरोपण अथवा कृषि गतिविधियों को भी शामिल किया जा सकता है। अपनी सामग्री सामाजिक माध्यमों पर पोस्ट करते समय प्रतिभागियों के लिए निर्धारित हैशटैग डब्ल्यूडीसी.पीएमकेएसवाई.वाटरशेडमहोत्सव.2025 का उपयोग अनिवार्य होगा। पंजीकरण के दौरान प्रतिभागियों को अपने सामाजिक माध्यम पोस्ट का लिंक भी महोत्सव पोर्टल पर अपलोड करना होगा, जिसके पश्चात सफल पंजीकरण का पुष्टिकरण ई-मेल प्राप्त होगा। प्रतियोगिता अवधि समाप्त होने के बाद 31 जनवरी 2026, शाम 6 बजे तक, प्रतिभागियों को अपने पोस्ट की रीच, दृश्य, सहभागिता, पसंद एवं टिप्पणियों का स्क्रीनशॉट पोर्टल पर जमा करना होगा। विभागीय वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

अपलोड करना होगा सामग्री-

प्रतिभागी को 30-60 सेकंड की रील अथवा शीर्षक सहित फोटो तैयार कर सामाजिक माध्यम पर पोस्ट करना होगा। सामग्री में जल संरक्षण से जुड़ी संरचनाएँ तथा डब्ल्यूडीसी.पीएमकेएसवाई 1.0 एवं डब्ल्यूडीसी.पीएमकेएसवाई 2.0 के तहत विकसित कृषि एवं बागवानी गतिविधियाँ शामिल होनी चाहिए। इसके बाद प्रतिभागी को निर्धारित हैशटैग के साथ सामग्री पोस्ट कर उसका लिंक महोत्सव पोर्टल पर अपलोड करना होगा। पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होने पर प्रतिभागी को पुष्टिकरण ई-मेल प्राप्त होगा।

जशपुर जिले में एक गांव बनेगा मॉडल सोलर विलेज चयन समिति ने शुरू की चयन प्रक्रिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में एक ग्राम को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिला स्तरीय चयन समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

भारत सरकार द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार मॉडल सोलर विलेज के लिए उन राजस्व ग्रामों का चयन आवश्यक है जिनकी आबादी 5,000 से अधिक हो। जशपुर जिले में ऐसे ग्रामों की संख्या 10 से कम होने के कारण, जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रथम 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्रामों के मध्य छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। इसी के आधार पर अंतिम मॉडल सोलर विलेज का चयन किया जाएगा।

दिशा-निर्देशों के अनुसार जिस ग्राम में सरकारी एवं गैर-सरकारी माध्यमों से सर्वाधिक सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित होगी, उसे मॉडल सोलर विलेज के रूप में प्राथमिकता दी जाएगी। इसी क्रम में जिले के 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्राम बटईकेला, सन्ना, कांसाबेल, पण्ड्रापाठ, लुडेग, कामारिमा, घोघर, तपकरा, दुलदुला और फरसाबहार को प्रतिस्पर्धा हेतु सूचीबद्ध किया गया है। इन ग्रामों में सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ाने एवं मूल्यांकन के लिए छह माह की अवधि निर्धारित की गई है।

चयनित ग्राम के समग्र विकास हेतु 2 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डी.पी.आर.) तैयार कर 15 मार्च 2026 तक ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को प्रेषित की जाएगी।

वुमेन फॉर ट्री योजना

अमृत मिशन के अंतर्गत महिलाओं की भागीदारी से हरियाली और आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

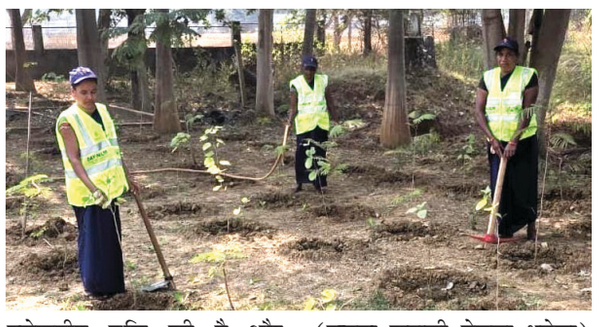

रायपुर। केंद्र सरकार के अमृत मिशन के तहत संचालित महत्वाकांक्षी पहल 'वुमेन फॉर ट्री' छत्तीसगढ़ में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी मॉडल बनकर सामने आ रही है। बालोद जिले में इस योजना का सफल क्रियान्वयन राज्यभर में महिला शक्ति की भागीदारी से हरियाली एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

योजना के अंतर्गत बालोद जिले के 08 नगरीय निकायों में अब तक 6,950 पेड़ लगाए जा चुके हैं। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल, सिंचाई, सुरक्षा और नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है। इस प्रत्यक्ष भागीदारी ने पौधों के संरक्षण दर में उल्लेखनीय वृद्धि की है और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'वुमेन फॉर ट्री' योजना के तहत 66 महिलाओं को नियमित कार्य प्रदान किया गया है। प्रत्येक महिला कार्यकर्ता को प्रति माह 8,000 रुपये मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। इन महिलाओं को कार्य के लिए आवश्यक सामग्री जैसे—साड़ी, जैकेट, जूते और संपूर्ण टूलकिट (फावड़ा, कुदाली, बेलचा, धमेला) भी उपलब्ध कराई गई है। कई महिलाओं ने बताया कि इस आय से वे अपने बच्चों की शिक्षा और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो रही हैं।

जिला प्रशासन ने बताया कि आने वाले समय में वृक्षारोपण के क्षेत्र को और विस्तृत किया जाएगा तथा अधिक से अधिक महिलाओं को इस अभियान से जोड़ कर नए रोजगार अवसर विकसित किए जाएंगे। पौधों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण व मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। नगर पालिका परिषद बालोद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोबिन अली ने बताया कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण को गति दे रही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम भी बन रही है। उन्होंने कहा कि बालोद को हरियाली और स्वच्छता के क्षेत्र में मॉडल जिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है।

साथ ही, उन्होंने नागरिकों से वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सहयोग कर जल संरचना को सुदृढ़ बनाने की अपील की।

जिला प्रशासन ने प्रदेश के सभी नागरिकों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से 'वुमेन फॉर ट्री' अभियान से जुड़कर हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया है।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन 20 तक

रायपुर। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश में बच्चों द्वारा किसी विशेष घटना में प्रदर्शित अदम्य साहस एवं अनुकरणीय बुद्धिमत्ता के सम्मान के लिए राज्य वीरता पुरस्कार 2025 प्रदान किए जाने का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस पुरस्कार के अंतर्गत कुल 05 बालक, बालिकाओं को रुपए 25,000 की प्रोत्साहन राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कबीरधाम ने इस पुरस्कार के लिए पात्र बच्चों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक बालक, बालिकाएँ अथवा उनके अभिभावक पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन पत्र एवं आवश्यक सभी दस्तावेजों सहित अपना आवेदन 20 दिसंबर 2025 को सायं 05:30 बजे तक जिला कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, कबीरधाम में प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन सीलबंद लिफाफे में जमा किया जाना अनिवार्य है।

दिव्यांगजन अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और समाज की मुख्यधारा से जुड़े हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने, उन्हें समान अवसर एवं अधिकार प्रदान करने तथा उनके सामर्थ्य से परिचित कराने के उद्देश्य से 03 दिसंबर को जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग एवं समग्र शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद में किया गया। कार्यक्रम में कुल 450 दिव्यांग हितग्राही, स्कूली विद्यार्थी एवं सहयोगी शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने मां सरस्वती के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन हमारी समाज की महत्वपूर्ण ताकत हैं। उनमें अद्भुत क्षमता, साहस और जीवटता है। जरूरत है कि समाज उन्हें समान अवसर प्रदान करे और उनके कौशल को मंच मिले। राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा हर संभव सुविधा और सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि दिव्यांगजन अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। इस दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था फॉर्चुन फाउण्डेशन नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर बागबाहरा के विद्यार्थियों ने मनमोहक राजगीत प्रस्तुत किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थाओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10 दिव्यांग हितग्राहियों को मोटराईज्ड ट्रायसायकल, 05 को ट्रायसायकल, 05 को व्हील चेयर, 05 दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र, 03 दिव्यांगजनों को छड़ी का वितरण किया गया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में सम्मिलित दिव्यांगजनों, अधिकारी-कर्मचारियों को नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ दिलाई गई।

उक्त कार्यक्रम उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह के मार्गदर्शन में एवं डीमएसी रेखराज शर्मा, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा अशासकीय स्वैच्छिक संस्थाओं के कर्मचारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मंच संचालन राजू चंद्राकर सचिव ग्राम पंचायत परसदा ब द्वारा किया गया।

महिलाओं को डिजिटल व मोबाइल बैंकिंग पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा। जिले के नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत ग्राम ककाड़ी एवं नहाड़ी, ग्राम पंचायत नहाड़ी, ब्लॉक कुआकोंडा में 03 दिसंबर 2025 को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग विषयक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में महिला स्व सहायता समूहों को मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन सेवाओं के सुरक्षित उपयोग एवं सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त करने संबंधी जानकारी दी गई।

इस संबंध में मुख्य प्रशिक्षक शिव बघेल (लीड बैंक मैनेजर, एसबीआई) ने बताया कि यदि बैंक खाता आधार से लिंक हो जाता है, तो महतारी वंदन योजना सहित अन्य लाभ सीधे खातों में प्राप्त हो सकते हैं तथा महिलाएँ अपने मोबाइल से लाभ की स्थिति की पुष्टि भी कर सकती हैं।

जिले में किसानों से पारदर्शिता के साथ सुगमतापूर्वक हो रही धान खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु के सुशासन में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से पारदर्शिता के साथ सुगमतापूर्वक धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले के 66 सहकारी समितियों के 105 धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से किसानों को धान विक्रय करने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है और उनका धान आसानी से विक्रय हो रहा है।

पथरिया विकासखण्ड के कपुवा उपार्जन केंद्र में धान विक्रय करने पहुंचे किसान रतिराम चतुर्वेदी ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 88.80 क्विंटल धान का विक्रय किया है। उन्होंने कहा कि इस बार केंद्रों में व्यवस्था और भी सरल, सुविधाजनक एवं पारदर्शी है। इलेक्ट्रॉनिक तौल, बारदाना की व्यवस्था, टोकन तुहर हाथ ऐप से टोकन की सुविधा, पेयजल, छाया सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की सुविधा तथा 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य का लाभ मिलने से किसानों को आर्थिक मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि किसान-हितैषी नीतियों एवं बेहतर व्यवस्थाओं से किसानों का प्रशासन पर भरोसा और भी मजबूत हुआ है। श्री चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन को किसानों के हित में उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 31 सौ रुपए के हिसाब से प्रति क्विंटल धान की राशि दी जा रही है। इससे न केवल किसानों के फसलों का उचित दाम मिल रहा है, बल्कि किसानों का मान भी बढ़ा है। आसान भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए समितियों में माइक्रो एटीएम की सुविधा एवं किसानों को एटीएम कार्ड एवं चेक प्रदान किया गया है, इससे किसानों की जरूरी आवश्यकताएं पूरी होने के साथ ही उनके हक का पैसा उन्हें मिल रहा है। किसान आर्थिक रूप से समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

झोपड़ी में लगी आग से जिंदा जली महिला

फाईल फोटो

बलौदाबाजार। जिले के ग्राम सुहेला में सुहेला-हथबंध मुख्य सडक़ के किनारे बनाई गई एक झोपड़ी में आग लगने से झोपड़ी में सो रही महिला की जलकर मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सुहेला में सुहेला-हथबंध मुख्य सड़क पर ग्रामीणों ने गुरूवार को एक झोपड़ी को जली हुई अवस्था में देखा और देखा कि वहां एक महिला की लाश जली हुई पड़ी थी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना सुहेला थाना को दी। घटना की जानकारी मिलने पर थाना सुहेला की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के अनुसार, झोपड़ी झिल्ली, पतली लकड़ी और डंगाल से बनाई गई थी। पुलिस का कहना है कि महिला रात में अलाव जलाकर झोपड़ी में सोई थी, झोपड़ी में आग लगना संभावित कारण प्रतीत होता है। मृतका की पहचान आशा बाई, उम्र लगभग 55 वर्ष, के रूप में की गई है। वह कबाड़ बीनने का काम करती थीं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जंगल में पेड़ से लटका मिला आरक्षक का शव

जगदलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस लाइन में पदस्थ एक आरक्षक का शव ग्राम आसना के जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक आरक्षक की पहचान डमरू नायक (उम्र 29 वर्ष) के रूप में हुई है, जो तीन दिसंबर की शाम से लापता थे। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने सक्रिय रूप से तलाश शुरू की थी। पुलिस को ग्राम आसना के जंगल में गुरुवार को आरक्षक डमरू नायक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। आरक्षक डमरू नायक पिछले कुछ समय से व्यक्तिगत परेशानियों से जूझ रहे थे। इन परेशानियों के कारण ही उन्होंने यह कदम उठाया हो सकता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, फांसी पर लटकी मिली

कोरबा। सीतामढ़ी मुख्य मार्ग स्थित एक घर में 22 वर्षीय नवविवाहिता सरस्वती यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की। सरस्वती ने एक वर्ष पहले आशीष केवट से लव मैरिज की थी। घटना के वक्त परिवार के अन्य सदस्य काम पर गए हुए थे और वह घर में अकेली थी। पति आशीष ने पुलिस को बताया कि सरस्वती ने घर में लोहे के एंगल से फांसी लगा ली थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशीष के मुताबिक, हाल ही में सरस्वती अपने भाई की बातों से दुखी थी, जिसने कहा था कि शादी हो गई है, अब कोई मतलब नहीं। नवविवाहिता की मौत का मामला होने से तहसीलदार को मौके पर बुलाया गया। उनकी मौजूदगी में बयान दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

जंगली सुअर मारने जंगल में बिछाई खुली तार

तार की चपेट में आने से शख्स की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले में खुले करंट की तार की चपेट में आने से मौत हो गई। जंगली सूअर को मारने के लिए यह तार बिछाई गई थी। इस मामले में जशपुर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर बीएनएस की धारा 105 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। मामला चौकी दोकड़ा क्षेत्रांतर्गत बढ़नी झरिया जंगल का है।

इस मामले में ग्राम छेरा घोघरा बैगा टोली निवासी इन्द्रनाथ यादव चौकी दोकड़ा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। युवक ने बताया कि उसके पिता मृतक दशरथ यादव उम्र 55 वर्ष 2 दिसंबर को गांव के पास ही स्थित बढ़नी झरिया जंगल में गए थे। जंगल में उनके भैंसों के लिए अस्थाई गोठान है जहां उनकी देखरेख, व चारा देने के लिए गए थे। रात में रुकने के बाद रोज गोठान से सुबह 4 से 5 बजे तक वापस आ जाते थे, लेकिन 3 दिसंबर को वे वापस नहीं लौटे। तब वह अपने छोटे भाई के साथ अपने पिता को ढूंढने जंगल गया तो देखा कि उसके पिता मृत अवस्था में जमीन पर पड़े हैं। उनके पैर में खुला पतला बाईंडिंग तार चिपका हुआ था। जिसमें की करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसके चपेट में आने पर, प्रार्थी के पिता की झुलस कर मृत्यु हो गई।

इंद्रनाथ ने पुलिस को यह भी बताया कि गांव के रहने वाले नेहरू राम, अशोक पैंकरा, सदानंद चौहान व जगदीश कुजूर ने कुछ दिन पहले बताया था कि उनके द्वारा बढ़नी झरिया जंगल में दूसरी ओर जंगली सूअर को मारने के लिए करेंट बिछाया जाएगा। लेकिन उनके द्वारा जंगल के गोठान के रास्ते में 11 हजार केव्ही के बिजली तार के खंभे से खुली वाईंडिंग तार को जोड़कर जंगली सूअर को मारने के लिए जमीन में बिछा दिया। जिससे जंगल के गोठान जाते वक्त हाई वॉल्टेज करेंट की चपेट में आने से उसके पिता दशरथ यादव की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

रिपोर्ट पर चौकी दोकड़ा पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बीएनएस की धारा 105 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, तत्काल घटना स्थल रवाना हुए। घटना स्थल के निरीक्षण व शव के पंचनामा के दौरान पुलिस ने पाया कि मृतक दशरथ यादव के पैर में खुली पतली तार चिपकी हुई है, जो कि हाई वॉल्टेज बिजली की खंभे से जुड़ी हुई थी। पुलिस के द्वारा घटना में प्रयुक्त 128 मीटर खुली पतली तार को भी मौके से जब्त कर लिया। शव का पोस्ट मार्टम भी कराया गया है। इसके बाद मामले में कार्रवाई करते हुए नेहरू राम, अशोक पैंकरा, सदानंद चौहान व जगदीश कुजूर हिरासत में लिया गया। पूछताछ पर आरोपियों के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयास अपराध सबूत पाए जाने पर, उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि चौकी दोकड़ा क्षेत्र में जंगली सूअर मारने के लिए लगाए गए खुले बिजली करेंट तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है, पुलिस ने मामले से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है, एक आरोपी फरार है, पतासाजी की जा रही है, उसे भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी दोकड़ा उप निरीक्षक अशोक कुमार यादव, प्रधान आरक्षक संजय नागवंशी, कृपा सिंधु तिग्गा, आरक्षक सुरेन्द्र यादव, जयप्रताप एक्का व राजकुमार मनहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

महिला को बंधक बनाकर दो दिनों तक किया दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में महिला को बंधक बनाकर दो दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के बाद गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 1 दिसंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 28 नवंबर को उर्दना स्कूल के पास आरोपी दीपक दास ने चाकू की नोक पर डरा धमकाकर उसका अपहरण किया और स्कूल के पीछे स्थित झाड़ियों में ले जाकर मारपीट करते हुए जबरन संबंध बनाया। इस घटना के बाद आरोपी उसे भगवानपुर स्थित अपने किराये के मकान में लेकर पहुंचा। जहां 30 नवंबर तक उसे बंधक बनाकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। इस दौरान आरोपी उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और घटना का जिक्र किसी से नहीं करने को कहा था। किसी तरह आरोपी से चंगुल से भागकर पीड़िता ने अपने पति से चर्चा उपरांत थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। महिला थाना की उप निरीक्षक दीपिका निर्मलकर ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के बाद टीम गठित करके आरोपी की तलाश शुरू की गई।

इस दौरान भगवानपुर और उर्दना में छापेमारी की गई। इस बीच कल सुबह आरोपी को उसके किराये के मकान से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से चाकू के अलावा अन्य सामान बरामद किया गया है।

चोरी की बाइक में घूम रहा था युवक ट्रैफिक पुलिस की जांच में पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग यातायात पुलिस की जांच में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चोरी की बाइक चलाने वाले युवक को हिरासत में लिया है। डीपीएस चौक पर ट्रैफिक पुलिस की रूटीन जांच के दौरान युवक की बाइक को रोका गया। सशक्त एप की मदद से जांच करने पर गाड़ी में लगे नंबर प्लेट सीजी 07 एलए4822 व चेसिस नंबर में मेल नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने वाहन जब्त किया और आगे की कार्रवाई के लिए युवक को भिलाई नगर पुलिस के हवाले कर दिया।

दरअसल यातायात पुलिस द्वारा रोज की तरह डीपीएस चौक पर प्वाइंट लगाकर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान वाहनों की जांच हो रही थी। जांच के दौरान हीरो पैशन क्रमांक सीजी 07 एलए4822 को रोका गया। जब गाड़ी की नंबर प्लेट चेक की गई तो उसका वाहन के चेसिस नंबर से मैच नहीं हुआ। गाड़ी का जो नंबर लगा है उसके अनुसार वाहन मालिक को कॉल किया गया तो उसकी गाड़ी उसके घर पर सुरक्षित होना बताया। युवक से पूछताछ करने पर उसने

बताया कि गाड़ी चोरी की है और नंबर उसने बदल दिया। पॉइंट ड्यूटी में तैनात यातायात पुलिस दल द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मोटरसाइकिल व संदेही युवक को तुरंत सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर भिलाई नगर पुलिस को सौंप दिया।

भिलाई नगर पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी जांच कर रही है कि युवक ने इस बाइक के अलावा और कितने बाइक चुराए। अन्य किसी अपराधिक गतिविधि में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

दिन दहाड़े बंदूक के दम पर ज्वेलरी शॉप से सोना लूट ले गए बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

चंद घंटों में पकड़ाए आरोपी, लूट का सोना भी बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में गुरुवार शाम को हाईप्रोफाइल लूट कांड की घटना सामने आई। दिन दहाड़े यहां के प्रख्यात दुर्गा ज्वेलर्स में मध्यप्रदेश के बदमाशों ने लूट कांड को अंजाम दिया। बंदूक की नोक पर ज्वेवरी शॉप का सारा सोना लूटकर ले गए। खास बात यह है कि जिस ज्वेलरी शॉप में लूट की घटना हुई वह जिले के एसपी कार्यालय के काफी नजदीक है। घटना की सूचना के बाद पुलिस एक्टिव हुई और चंद घंटों में दो मुख्य आरोपियों को दबोच लिया। वहीं एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने ज्वेलरी शॉप से लूटा गया अधिकांश सोना बरामद कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार

सुकमा के दुर्गा ज्वेलर्स में गुरुवार की शाम को लूट हो गई। मध्य प्रदेश के दो शातिर लुटेरे दुर्गा ज्वैलर्स पहुंचे। उन्होंने बंदूक की नोक पर दुकानदारों को धमकाया और सारा सोना लूट लिया और फरार हो गए। घटना के दौरान एक फरार दो लुटेरों का एक साथी लोगों के हाथ लग गया। वह शॉप के बाहर रेकी कर रहा था। लोगों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद सुकमा पुलिस एक्टिव हुई और फरार आरोपियों की तलाश में लग गई।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वयं मौके का निरीक्षण किया और आरोपियों को पकड़ने तत्काल इलाके की घेराबंदी का आदेश दिया और पुलिस को लुटेरों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। एसपी किरण चव्हाण के कुशल मार्गदर्शन और पुलिस की तत्परता के चलते फरार आरोपी चंद घंटों में पकड़ में आ गए। आरोपियों के पास ने लूटा गया सोना, एक लोडेड पिस्टल बरामद किया गया। इस पूरी घटना में एक आरोपी को पकड़ने में स्थानीय लोगों ने जो साहस दिखाया उसकी भी सराहना की जा रही है। सुकमा पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि जैसे-जैसे सुकमा का विकास हो रहा है, वैसे-वैसे इस तरह की वारदातों की संभावना भी बढ़ सकती है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया कि नगर की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बलरामपुर में घटे ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले, इस साल 284 सड़क हादसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले में पुलिस की कड़ाई से 'ड्रिंक एंड ड्राइव' मामलों में कमी आई है, जिससे सड़क हादसों में भी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, शराब की खपत में वृद्धि चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले 11 महीनों में, जिले में शराब पीकर वाहन चलाने के 1,112 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 1,019 मामलों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत, ऐसे मामलों में न्यूनतम 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इस सख्ती के परिणामस्वरूप, केवल 'ड्रिंक एंड ड्राइव' मामलों से ही 1 करोड़ 1 लाख 90 हजार रुपये का राजस्व वसूला गया है। पुलिस की लगातार

कार्रवाई का सीधा असर सड़क हादसों के आंकड़ों पर देखा गया है। साल 2024 की तुलना में, जनवरी से नवंबर 2025 तक सड़क दुर्घटनाओं, घायलों की संख्या और मौतों में कमी आई है।

जनवरी से नवंबर 2025 तक 284 सड़क हादसे, 233 घायल, 190 मौतें हुईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) विश्वदीप त्रिपाठी ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 'ड्रिंक एंड ड्राइव' पर कड़ाई से हादसों और मृत्यु दर में कमी आई है, जो सुरक्षा को प्राथमिकता देने का परिणाम है। सड़क सुरक्षा के मोर्चे पर सकारात्मक परिणाम मिले हैं, वहीं शराब की खपत में कमी आने के बजाय तेजी से वृद्धि देखी गई है। जिले में संचालित पांच मदिरा दुकानों—बलरामपुर, राजपुर, वाड्रफनगर, रामानुजगंज और कुसमी से हर महीने करोड़ों रुपये की शराब की बिक्री हो रही है। 2024 में जहां शराब की बिक्री 2,59,93,350 रुपए थी, वहीं अक्टूबर 2025 में यह बढ़कर 3,65,86,130 हो गई, जो 1,05,92,780 रुपए की सीधी वृद्धि दर्शाती है।

सात महीनों में 6.24 करोड़ की बढ़ोतरी

आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच शराब की बिक्री में एक बड़ी छलांग देखी गई है। 2024 में जहां बिक्री 18,83,80,250 रुपये थी, वहीं अप्रैल-अक्टूबर 2025 में यह 25,08,67,300 रुपए पर पहुंच गई। यह 6,24,89,050 रुपए की उल्लेखनीय बढ़ोतरी है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 76.75 लाख का 2476 क्विंटल धान जब्त

रायपुर। धान अवैध परिवहन और भंडारण पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते दिनों सख्त निगरानी अभियान चलाया। जिला प्रशासन एवं मंडी विभाग के संयुक्त प्रयासों से सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अब तक 76.75 लाख रुपये मूल्य का कुल 2476 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है।

राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, कृषि उपज मंडी तथा सहकारिता विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा 03 दिसंबर तक लगातार छापेमारी की गई। कार्रवाई का उद्देश्य केवल वास्तविक एवं पात्र कृषकों के वास्तविक रकबे के आधार पर ही समर्थन मूल्य में धान खरीदी सुनिश्चित करना है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप कोचियों और व्यापारियों द्वारा की जा रही अवैध खरीदी-बिक्री पर सख्ती जारी रहेगी। जिले में निगरानी और जांच अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा।

वन विभाग ने 4 आरा मिलों को लगाया ताला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वन संरक्षण को लेकर वन विभाग के सभी अमले द्वारा सतत प्रयास किया जा रहा है। धमधा और पाटन डिविजन में वन संरक्षण प्रणाली मज़बूत है तथा विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में सघन निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगा रही है।

सभी आरा मशीनों और बीट क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण रोस्टर के अनुसार किया जा रहा है। मुख्य वन संरक्षक द्वारा निर्धारित रोस्टर अनुसार आरामिलों का प्रति माह उप वन मंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी और सहायक परिक्षेत्र अधिकारी आरामिलों का निरीक्षण

करते हैं, जिससे पारदर्शिता और नियंत्रण व्यवस्था बेहतर हुई है। वन विभाग द्वारा किए गए सक्रिय प्रयासों का परिणाम यह रहा कि जनवरी 2025 से अब तक 39 वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिसमें लगभग 4 लाख रुपये का मुआवजा आरोपित किया गया है। इसके साथ ही अनुमानित 1028 नग (67.548 घन मीटर) व 15 जलाऊ चट्टा काष्ठ शासन के हित में जमा कराया गया है। विभाग ने 04 आरामिलों को सीलबंद किया है, जिनमें से 01 अवैध आरा मशीन को राजसात भी किया गया है। वन विभाग क्षेत्र में अवैध कटाई और परिवहन को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। अवैध परिवहन के तहत अपराध पाए जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर संबंधित अभियुक्त से मुआवजा की राशि वसूल कर प्रतिबंधित काष्ठों की जप्ती की जाती है एवं छूट प्रजाति के काष्ठों को निर्मुक्त किया जाता है। वन संरक्षण के लिए वन विभाग के सभी अमले मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
Tell / Fax : 07826 - 273923 Email : bmopatan211@gmail.com
क्रमांक / स्वास्थ्य सेवायें / 2025 / 1277 पाटन, दिनांक 03.12.2025
// द्वितीय निविदा आमंत्रण //
सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि विकासखण्ड पाटन जिला - दुर्ग (छ.ग.) अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु पंजीकृत स्व सहायता समूह से निविदा आमंत्रित की जाती है :-
1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु निविदाः-
निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदा से संबंधित संस्था के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में 1000 /- की डिमाण्ड ड्राफ्ट राशि जमा कर इस दिनांक 06.12.2025 दिन शनिवार से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट से प्राप्त की जा सकती है।
1. निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि :- 19.12.2025 को सायं 05 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- 20.12.2025 को अपरांह 02 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 20.12.2025 को अपरांह 03 बजे
4. निविदा खोलने का स्थान :- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन
जिला - दुर्ग (छ.ग.)
जी-252605224/4

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।
Emailld:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148
-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::-
क्रमांक / 820 / लो.क.वि. / 2025 दिनांक 02.12.2025
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत एवं प्री-क्वालिफिकेशन शर्तो के अनुरूप अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है-

क.	कार्य का नाम	लागत	निविदा जारी दिनांक
1	नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्रांतर्गत इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य (2nd Call) System No. 180993, Dt-02.12.2025	1611.38 लाख	02.12.2025 से 18.12.2025, खोलने की तिथि 22.12.2025
2	राजेन्द्र पार्क चौक से शहीद चौक होते हुए अंडरब्रिज तक तथा आई. एम.ए. चौक से अग्रसेन चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य। System No. 180985, Dtd.02.12.2025	रू. 837.16 लाख	02.12.2025 से 25.12.2025, खोलने की तिथि 29.12.2025

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह
आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone,
Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall &
Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami
Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

- पीएम आवास के 1073 हितग्राहियों को नये आवास की चाबी सौंपी
- बलौदाबाजार में कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, तिल्दा में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

प्रधानमंत्री मोदी की हर गारंटी को पूरा कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार-मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम सुहेला में आयोजित कार्यक्रम में 195.26 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 1073 हितग्राहियों को आवास की चाबी, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत तीन हजार महिलाओं को गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना अंतर्गत पाँच हजार किसानों को अधिकार अभिलेख तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री और राशि के चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय है कि हर घर में पक्का मकान, शौचालय, शुद्ध पेयजल और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ पहुंचे। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए हमारी सरकार जनता के हित में वचनबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य बने 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। सरकार बनने से पहले प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में जो वादे किए गए थे, उन्हें हम एक-एक कर पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी हो रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाकर प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये कर दी गई है। किसानों को दो वर्ष का बकाया बोनस भी प्रदान किया जा चुका है। महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ बड़ी संख्या में महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत हर घर को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना में बड़ी मात्रा में सब्सिडी भी मिल रही है, इसलिए अधिक से अधिक लोग अपने घरों में सोलर पैनल स्थापित कर लाभ उठाएँ।

उन्होंने जिले में प्रशासन की 'हम होंगे कामयाब' पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षित कर उनके बेहतर भविष्य के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उनसे अब तक 500 से अधिक युवाओं को लाभ मिला है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है और बड़े-बड़े कार्य सहजता से पूरे हो रहे हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अकेले 100 करोड़ रुपये से अधिक की सड़कों की स्वीकृति मिली है।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम के दौरान सुहेला में नवीन महाविद्यालय की स्थापना, तिल्दा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, बलौदाबाजार में शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल भवन एवं नवीन व्यावसायिक परिसर का निर्माण करने की घोषणा की। उन्होंने जिले के 50 धान उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए 10-10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण तथा सुहेला तिगड्डे में तीनों सड़कों पर एक-एक किलोमीटर तक डिवाइडर निर्माण एवं लाइट लगाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने जिन विकास कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 12.87 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 1073 आवास, तथा लगभग 7.74 करोड़ रुपये की लागत से आमाकोनी, हथबंद, पौसरी, सेम्हराडीह और खपराडीह में निर्मित जल प्रदाय योजनाएँ शामिल हैं। भूमिपूजन के प्रमुख कार्यों में 49.17 करोड़ रुपये की लागत से बलौदाबाजार- रिसदा-हथबंद मार्ग मजबूतीकरण, 20.98 करोड़ रुपये की लागत से बलौदाबाजार के रिसदा बायपास मार्ग, 15.59 करोड़ रुपये की लागत से बलौदाबाजार में इंडोर स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, 8.60 करोड़ रुपये की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 717 आवास तथा 8.04 करोड़ रुपये की लागत से कोल्हान नाले के पार सुंगेरा एनिकट निर्माण शामिल हैं।

कार्यक्रम में 5 करोड़ रुपये से अधिक की हितग्राहीमूलक सामग्री एवं चेक वितरण किया गया। इसमें मुख्य रूप से सायबर फ्रॉड प्रकरण के 27 लाख रुपये की वापसी, श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं में 83 लाख रुपये का वितरण, 8333 छात्रों को 4.25 करोड़ रुपये की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, महिला स्व सहायता समूहों एवं 'सक्षम' योजना अंतर्गत 16 महिलाओं को 25 लाख रुपये, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 10 हितग्राहियों को 9.69 लाख रुपये तथा 'हम होंगे कामयाब' योजना अंतर्गत 60 हितग्राहियों को 6.81 लाख रुपये का भुगतान शामिल है।

इस अवसर पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, जनपद अध्यक्ष सिमगा दौलत पाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सफलता के लिए निरंतर सीखना, कौशल निखारना और आत्मविकास अनिवार्य - रामनाथ कोविंद

अनुशासन, नवाचार और अपनी संस्कृति से जुड़ाव यही है सफल भविष्य की कुंजी: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका ने की। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. दिवाकर नाथ वाजपेयी उपस्थित रहे। समारोह में 64 शोद्यार्थियों को शोध उपाधि, 92 गोल्ड मेडल एवं 36950 स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि दी गई।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने स्नातक छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने युवा पीढ़ी की ऊर्जा और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है और वर्तमान युवा इसका ऐतिहासिक साक्षी और भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से स्नातक होना शिक्षा की पूर्णता नहीं है, बल्कि इक्कीसवीं सदी में सफलता के लिए निरंतर सीखना, कौशल निखारना और आत्मविकास अनिवार्य है।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि देश के विश्वविद्यालयों में बेटियाँ शिक्षा के क्षेत्र में कई बार बेटों से आगे निकल रही हैं और इस विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदक विजेताओं में भी बेटियों की संख्या उल्लेखनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों, विशेषकर पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि केवल उनकी मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे माता-पिता का त्याग, परिवार का सहयोग और गुरुओं का अमूल्य मार्गदर्शन भी निहित है। यह हर विद्यार्थी के लिए एक सुनहरा यादगार पल है, जिसे वे जीवनभर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि-कभी यह मत सोचिए कि आप पीछे रह गए हैं। यदि आप प्रयास करना नहीं छोड़ते, तो आप हमेशा पहले स्थान पर हो सकते हैं। उन्होंने छात्रों से अपने सपनों को साकार करने के लिए परिश्रम करने, भारतीय संस्कृति, मूल्यों और जड़ों से जुड़े रहने और योग व विज्ञान जैसी भारतीय विरासत को अपनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जीवन में अनेक चुनौतियाँ आती हैं, जिनमें कभी-कभी हम गिरते भी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हर बार स्वयं को संभालकर फिर से खड़ा होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में गिरावट से भयभीत न हों और हमेशा उठने का साहस रखें। राज्यपाल ने अनुशासन को जीवन में सफलता की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि जीवन एक सुंदर यात्रा है, और इसे उद्देश्यपूर्ण, सकारात्मक और सार्थक ढंग से जीना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज तनाव एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इसलिए योग, ध्यान और नियमित शारीरिक गतिविधि को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी आग्रह किया कि वे जीवन में ऐसा कार्य चुनें जिसमें तनाव कम हो, पारदर्शिता हो और जिससे स्वयं, समाज और राष्ट्र का सकारात्मक परिवर्तन संभव हो। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सफलता केवल डिग्री से नहीं, बल्कि सीखने की निरंतर इच्छा से तय होती है। दुनिया तेजी से बदल रही है, और जो युवा अपनी संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहते हुए तकनीक, नवाचार और मेहनत का मार्ग चुनते हैं, वहीं कल का भारत गढ़ेंगे। जीवन में अवसर हमेशा बाहर नहीं मिलते, कई बार हमें स्वयं अवसर बनाना होता है। अनुशासन, लगन और सकारात्मक दृष्टि ही वह शक्ति है, जो हर साधारण क्षण को असाधारण उपलब्धि में बदल देती है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि यह पीढ़ी छत्तीसगढ़ को और पूरे देश को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह समारोह केवल औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों, संकल्पों और संघर्षों का उत्सव है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बहुविषयक अध्ययन, कौशल आधारित शिक्षण, चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और आधुनिक पाठ्यचर्या जैसी व्यवस्थाओं को लागू करने की सराहना की, जिससे छात्र वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकें।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के मार्गदर्शन में बने इस राज्य ने शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के परिश्रम, संघर्ष और लगन का सम्मान है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है तथा 20 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिससे शैक्षणिक अधोसंरचना और अधिक मजबूत होगी। अतिथियों ने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का भी विमोचन किया।

डिजिटलईजेशन की ओर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि विवि में डिजिटलईजेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा फॉर्म, ट्रांसक्रिप्ट और डिग्री प्रमाणपत्र जैसी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। इस नई प्रणाली से छात्रों को सरल, पारदर्शी और त्वरित सेवाएँ मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उषा कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता नए प्रयोगशालाओं, स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक अकादमिक अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी इससे विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार को सुनिश्चित कर सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों को राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक संरचना, भाषा-साहित्य और तकनीकी नवाचार जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को ज्ञान, अनुशासन और प्रेरणा का एक उत्सव प्रदान किया और अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

महिला समूह की सदस्य के परिजन को पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना से मिला दो लाख रुपये का लाभ

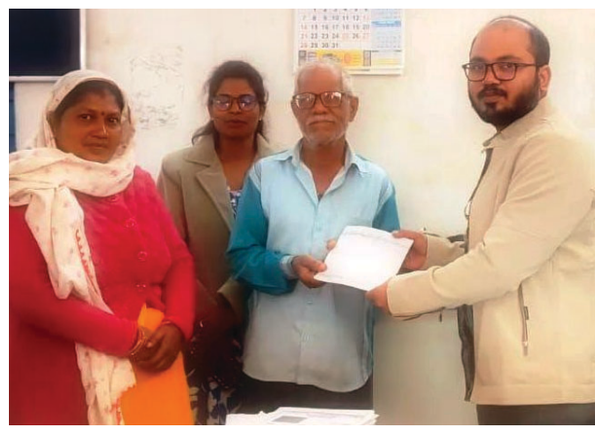

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना लगातार सकारात्मक परिणाम दे रही है। यह योजना विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्य महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत मनवारी के जीवन माँ दुर्गा महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य रही स्वर्गीय इन्द्रावती विश्वकर्मा के परिवार को योजना के तहत् बीमा का लाभ प्रदान किया गया। श्रीमती इन्द्रावती की स्वाभाविक निधन के बाद उनके नामित वारिस रामज्ञया विश्वकर्मा को योजना के तहत दो लाख रुपये की बीमा दावा राशि प्रदान की गई।

आर्थिक कठिनाइयों के समय यह सहायता परिवार के लिए एक बड़ी राहत बनी, जिससे वे दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा भविष्य की योजना बनाने में समर्थ हो सके। इस बीमा दावा प्रक्रिया को सुगम और समयबद्ध तरीके से पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बी.आर.एल.एम.) के अधिकारी-कर्मचारी कैडर और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा केल्हारी के प्रबंधक राजकमल राजीव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी सक्रिय पहल ने परिवार तक योजना का लाभ समय पर पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना न केवल महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि अप्रत्याशित परिस्थितियों में परिवार को संबल देकर सामाजिक सुरक्षा को भी मजबूत बनाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को इस योजना से जुड़ने हेतु लगातार जागरूकता कार्यक्रम, समूह बैठकों और परामर्श शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल एसएचजी की दीदियों और उनके परिवारों के लिए नई उम्मीद और विश्वास का आधार बन रही है।

मुख्यमंत्री साय की पर्यटन को प्रमोट करने विशेष पहल

राज्य के 45 युवाओं को मिला पर्यटन प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण

बस्तर के युवाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर, टूरिस्ट गाइड का गहन प्रशिक्षण लेकर लौटे छत्तीसगढ़ के युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास किए जा रहे है। छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक सुन्दरता और यहां के पर्यटन स्थलों को देखने के लिए देश-दुनिया के लोग छत्तीसगढ़ आये, इसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों विशेषकर महानगरों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी एवं कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को पर्यटन को वैश्विक मानचित्र पर लाना है।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और इसके लिए नई औद्योगिक पॉलिसी में कई रियायतों का प्रावधान भी किया गया है। होम-स्टे पॉलिसी बनायी गई है ताकि छत्तीसगढ़ बस्तर और सरगुजा अंचल में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। छत्तीसगढ़ सरकार ने इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए राज्य के युवाओं विशेषकर बस्तर अंचल के युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के लिए टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण की अभिनव पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप 45 युवाओं की टीम को छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के सहयोग से भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) ग्वालियर में टूरिस्ट गाइड के प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। युवाओं का यह दल वहां से एक माह का विशेष प्रशिक्षण हासिल कर छत्तीसगढ़ लौटा आया है। इन युवाओं को छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में गाइड के तौर पर तैनात किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने टूरिस्ट गाइड का सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य की प्राकृतिक सुन्दरता, यहां की हरी-भरी वादियां और मनोरम पर्यटन स्थल छत्तीसगढ़ को पर्यटन हब का स्वरूप देने में सक्षम हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में असीम संभावनाएं विद्यमान है, इससे रोजगार और व्यवसाय के नये द्वार खुलेंगे। उन्होंने प्रशिक्षित युवाओं से अपील की कि वे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और सुविधाओं के बारे में पर्यटकों को विशेष रूप से बताएं, ताकि पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो। इससे राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा 7 वर्षों के अंतराल के बाद टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण का यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अधिकांश युवा बस्तर संभाग के रहने वाले हैं। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को पर्यटक मार्गदर्शन, संप्रेषण कौशल, सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन प्रबंधन तथा फील्ड का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकें। प्रशिक्षित युवा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का बेहतर प्रचार-प्रसार कर प्रदेश के पर्यटन उद्योग को ऊंचाइयों पर ले जाने में अहम रोल अदा करेंगे।

वर्षों बाद खेल मैदान में लौटीं महिलाएं, बस्तर ओलंपिक बना जड़ों से जोड़ने का माध्यम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर ओलम्पिक 2025 का आयोजन इस वर्ष कई महिलाओं को अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का अवसर मिला है, ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं सरोज पोडियाम, जो विवाह और पारीवारिक जिम्मेदारियों के चलते वर्षों से खेल से दूर थीं। तीन वर्ष की बच्ची की मां होने के बावजूद उन्होंने खेल मैदान में वापसी कर सभी को प्रेरित किया। सरोज पोडियाम कोंटा विकासखंड के दूरस्थ मुरलीगुड़ा ग्राम की निवासी हैं। वह बताती हैं कि बस्तर ओलम्पिक शुरू होने से उन्हें स्कूल के दिनों की खो-खो और कबड्डी जैसे खेलों की यादें ताजा हो गईं। सरोज बताती हैं हम महिलाओं का अधिकतर समय परिवार, बच्चे और गृहकार्य में बीत जाता है। लेकिन बस्तर ओलम्पिक ने हमें फिर से अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। इस बार संभाग स्तर

तक पहुंचना हम सभी के लिए बड़ी खुशी की बात है।

बस्तर ओलम्पिक में सरोज पोडियाम और उनकी टीम ने रस्साकसी में दमदार प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हासिल किया है। टीम की इस उपलब्धि से पूरे परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। सरोज कहती हैं कि हम सभी महिला साथी बहुत खुश हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद, जिन्होंने हमें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया। इस बार पूरा प्रयास रहेगा कि हम संभाग में अपने जिले को जीत दिलाएं। बस्तर ओलम्पिक ने हमें दोबारा खेलने का मौका दिया और आस-पास की सभी महिला साथी भी शामिल हुईं।

सरोज पोडियाम का परिवार माओवादी हिंसा से प्रभावित रहा है। वर्ष 2009 में नक्सलियों द्वारा उनके ससुर की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद परिवार गहरे संकट में आ गया। घटना के बाद शासन ने नवा बिहान योजना के तहत सुकमा में उन्हें आवास उपलब्ध कराया तथा उनके पति राकेश को नगर सैनिक के रूप में पदस्थ कर परिवार को संबल दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950